संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 328
पृष्ठ 8
सोमवार
17 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्ट्रेटनिंग के बाद बालों की इन...

विचार- युवाओं के लिए अच्छे काम का...

खेल- 2036 ओलंपिक के लिए देशभर में...

सीएम ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि,बोले-

वीरांगनाओं के नाम पर किए गए कार्यों के पीछे का ध्येय है महिलाओं की सुरक्षा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएम ने उन्हें भारत की आजादी के प्रथम स्वातंत्र्य समर 1857 की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया।बोले, वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी को प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उनकी 196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में वे मात्र 27 वर्ष की थीं। इस छोटी आयु में उन्होंने आजादी के संघर्ष में बलिदान कर मिसाल प्रस्तुत की। आजादी के लिए उनका बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणा है। वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने में कोई कोताही नहीं बरती। वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए युद्ध को लड़ा गया, हर व्यक्ति आज भी बड़ी श्रद्धा से उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए हमारी सरकार ने यूपीपीएसी की तीन नई महिला बटालियन के गठन के कार्य को बढ़ाया और इनका नामकरण,गठन इन्हीं वीरांगनाओं के नाम पर किया। बदायूं में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई वाहिनी का गठन किया। यह कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वहां वीरांगना रानी अवंती बाई की अश्वारोही प्रतिमा की स्थापना की कार्रवाई अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर महिला पीएसी की गठित बटालियन का कार्य भी युद्धस्तर पर आगे बढ़ा है। गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। दोनों बटालियन में भी वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाओं का कार्य आगे बढ़ा है। कभी उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा के प्रश्न उभरते थे, वीरांगनाओं के नाम पर किए गए कार्य के पीछे का ध्येय यही है कि उन प्रश्नों पर छाए बादल समाप्त हों। बेटी सुरक्षित हो और सम्मान के साथ सिर उठाकर समाज के प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर सके। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 फीसदी बेटियों की भर्ती अनिवार्य हुई। 2017 में उत्तर प्रदेश के पुलिस बल में महिलाओं की संख्या मात्र 10 हजार थी, वह संख्या बढ़कर अब 45 हजार से ऊपर पहुंच चुकी है।

'वंदे मातरम' विवाद पर अमित शाह बोले-

सोनिया गांधी को देश कभी माफ नहीं करेगा

चित्तौड़गढ़,एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' के गायन को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस और सोनिया गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के कारण 'वंदे मातरम' जैसे राष्ट्रीय गीत को भुला दिया और कांग्रेस मुख्यालय में इसे पूरा गाने से रोकने की कोशिश की गई। शाह ने दावा किया कि गीत के गायन के दौरान सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से इसे रोकने को कहा। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को देश की भावनाओं से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। अमित शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम' को अधूरा छोड़ने के बारे में कोई सोच भी कैसे सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि पार्टी में थोड़ी भी शर्म बाकी है तो उसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि देश के करोड़ों लोग इस घटनाक्रम को देख रहे थे। उनके मुताबिक, 'वंदे मातरम' भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा महत्वपूर्ण गीत है और इसे लेकर किसी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। बीजेपी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कांग्रेस पर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता दिवस पर पहली बार कांग्रेस मुख्यालय में पूरे 'वंदे मातरम' का गायन किया गया। मालवीय ने आरोप लगाया कि शुरुआती छंदों के बाद सोनिया गांधी नाराज हुईं और उन्होंने गायन रोकने के लिए कहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी भी इसे समाप्त करने का संकेत देते दिखाई दिए, हालांकि बाद में गायन जारी रखा गया। कांग्रेस ने बीजेपी के आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि शनिवार को दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में पूरा 'वंदे मातरम' गाया गया और विवाद की कोई वजह नहीं है। रमेश के मुताबिक, सोनिया गांधी केवल इसलिए कुर्सी मंगवाने के लिए कह रही थीं क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे काफी देर से खड़े थे। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक विवाद में बदलना उचित नहीं है। जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर कांग्रेस की ऐतिहासिक परंपरा का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 28 अक्टूबर 1937 को कलकत्ता में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी, जिसमें महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू और अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।

छात्र आंदोलन पर राहुल बोले-

मोदी के हिंसक शासन के सामने खड़े होकर जवाबदेही मांगना काबिल-ए-तारीफ

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 22 अगस्त को महाराष्ट्र के पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं ने इस शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट किया, भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा, मुझे हर एक युवा पर गर्व है, खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल ने पोस्ट में कहा, 22 अगस्त को छात्रों की गूंज पुणे पहुंच रही है और इस बार का कार्यक्रम सिर्फ लड़कियों के लिए होगा। अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा। इसके साथ ही, उन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए एक लिंक शेयर किया है। साथ ही, राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल रहे 5 युवक-युवतियों से संवाद का एक वीडियो भी शेयर किया। राहुल से बात करते हुए लड़कियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की। एक लड़की ने कहा, पुलिसवाले हमसे से कह रहे थे कि आप देशद्रोही हो। लड़कियों ने आरोप लगाए कि उन्हें सोशल मीडिया पर धमकियां और गालियां मिल रही थीं। इसी संवाद के दौरान एक युवक ने आरोप लगाया, जितने भी वहां अधिकारी थे वह भाजपा के फेबरेवल थे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी बोले-

पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे उनके काम

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सिंह समेत भाजपा नेताओं ने उन्हें याद किया। नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की सोच, नेतृत्व और देश सेवा को याद करते हुए कहा कि उनकी सीख आज भी लोगों को प्रेरित करती है। किसने कैसे याद किया, पढ़िए रिपोर्ट-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व पीएम और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया। अटल बिहारी वाजपेयी का निधन 2018 में आज ही के दिन हुआ था। पीएम मोदी ने उन्हें एक श्असाधारण राजनेताश बताया। उन्होंने कहा, अटल जी की सोच, नेतृत्व और अच्छे शासन और जनता की भलाई के लिए उनकी सोच आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। वह एक असाधारण राजनेता थे और उनके पास शानदार दूरदृष्टि थी। उन्होंने अपना जीवन हमारे देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आगे कहा, उनके शब्दों और काम ने पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत किया। अच्छे शासन और जनता की भलाई पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनके स्मारक श्सदैव अटलश में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए। गृह मंत्री अमित शाह ने क्या कहा? वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उन्हें ऐसे देशभक्त और राजनेता के रूप में याद किया।

, जिन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में लगा दिया। शाह ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक, भारत रत्न और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा, अटल जी ऐसे महान देशभक्त राजनेता थे, जिन्होंने अपने जीवन का हर पल देश की सेवा में लगा दिया। एक तरफ उन्होंने परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध के जरिये पूरी दुनिया को भारत की ताकत से परिचित कराया। वहीं दूसरी तरफ उनकी सिद्धांतों पर आधारित राजनीति ने पहली बार अंत्योदय और सुशासन की सोच को जमीन पर उतारा। शाह ने आगे कहा, अटल जी का महान व्यक्तित्व और उनका नेतृत्व हमेशा भाजपा के हर कार्यकर्ता को देश बनाने के काम के लिए प्रेरित करता रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह क्या बोले? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, अटल जी ने अपने विचारों और कार्योंसे भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने आजीवन श्राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथमश की भावना के साथ कार्य किया। उनके लिए राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा था। उन्होंने आगे कहा, अटल जी के नेतृत्व में भारत ने सामरिक शक्ति, आर्थिक विकास और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया।

'दिमागी नक्सल' पर सियासी संग्राम, चिदंबरम बोले 'मुझे गर्व है'

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में नक्सलवाद और माओवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का जिक्र करते हुए 'दिमागी नक्सलियों' को लेकर चेताया था और कहा था कि उनके वैचारिक समर्थक व्यवस्था में घुसपैठ कर नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में आगाह किया था। मोदी ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोग सिस्टम में घुसपैठ कर चुके हैं और नीतियों में हेरफेर करके समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से उन्हें पहचानने और अलग-थलग करने की अपील भी की थी। 'दिमागी नक्सल' विवाद पर पीएम मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि जो लोग उनका विरोध करते हैं, उन्हें 'दिमागी नक्सल' कहा जाता है। इन 'दिमागी नक्सलियों' ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। चार साल तक वे कहते रहे कि जातिगत जनगणना नहीं होगी। फिर 30 अप्रैल 2025 को उन्होंने घोषणा की कि जातिगत जनगणना कराई जाएगी। जो भी सवाल उठाता है या उन्हें चुनौती देता है, उसे किसी न किसी नाम से पुकार दिया जाता है। क्या सामाजिक न्याय की मांग करना 'दिमागी नक्सल' है?

लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन इसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं।

बेटी की जिंदगी बचाने दौड़ी मां, मालगाड़ी की चपेट में दोनों की मौत, मचा कोहराम

प्रयागराज। बुखार में तप रही चार साल की बेटी को इलाज के लिए लेकर निकली मां ने जैसे ही उसे मौत की ओर बढ़ते देखा, अपनी जान की परवाह किए बिना बचाने दौड़ पड़ी। लेकिन मां की ममता की यह आखिरी दौड़ बन गई। मालगाड़ी की चपेट में आने से मां–बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। छह माह के मासूम को सीने से लगाए पिता बिलखता रहा।

बेटी बुखार में तप रही थी। मां उसे इलाज के लिए लेकर घर से निकली थी। घर से चंद कदम दूर रेल पटरी पर पहुंचते ही चार वर्षीय देवकी मां से आगे निकलकर डीएफसी रेल पथ पर चली गई। उसी समय डाउन लाइन पर तेज रफ्तार मालगाड़ी आती दिखाई दी। बेटी को बचाने के लिए कबूतरा देवी दौड़ी, लेकिन मां की ममता की वह दौड़ दोनों की जिंदगी पर भारी पड़ गई। मालगाड़ी की चपेट में आने से मां–बेटी के चीथड़े उड़ गए।

थाना क्षेत्र के उमापुर कला गांव निवासी कबूतरा देवी (35) पत्नी रमाशंकर निषाद शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे बेटी देवकी (4) का इलाज कराने निकली थी। मिर्जापुर राजमार्ग तक जाने के लिए दोनों ने घर के पास दिल्ली–हावड़ा रेल पथ की दो लाइन पार की थीं। इसी दौरान देवकी डीएफसी रेल पथ पर पहुंच गई। मालगाड़ी को आते देख कबूतरा देवी उसे बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन दोनों उसकी चपेट में आ गईं।

ट्रेन गुजरने के बाद ग्रामीणों ने शव घर पहुंचाए। परिवार की आजीविका के लिए प्रयागराज शहर में ई–रिक्शा चलाने गए रमाशंकर को घटना की जानकारी दी गई। करीब दो घंटे बाद घर पहुंचे रमाशंकर पत्नी और बेटी का शव देखकर टूट गए। छह माह के बेटे छोटू को सीने से लगाकर फूट–फूटकर रोते हुए बोले, "काफी अर्से से गांव के सामने अंडरपास या आरओबी बनवाने की मांग कर रहे हैं। अगर मांग पूरी हो जाती तो मेरे बेटे छोटू के सिर से मां का साया नहीं छिनता।

ट्रेन के इंजन से होगी अब बंपर कमाई, बाहरी हिस्से पर विज्ञापन लगाएगा रेलवे

प्रयागराज। रेलवे अब यात्री और माल ढुलाई के अलावा विज्ञापन से भी कमाई बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत रेल इंजनों और मेमू ट्रेनों के बाहरी हिस्से पर कंपनियों के विज्ञापन लगाए जाएंगे। रेलवे को इससे अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

रेलवे ने कमाई का नया तरीका खोज लिया है। अब तक यात्री और माल ढुलाई से ही कमाई हो रही थी। दरअसल, प्रयागराज मंडल ने गैर–किराया आय बढ़ाने के लिए रेल इंजनों और मेमू ट्रेनों पर विज्ञापन लगाने की कवायद शुरू की है। इसके तहत इंजन और मेमू के बाहरी हिस्से पर कंपनियों को विज्ञापन के लिए जगह उपलब्ध कराने की योजना है। इससे रेलवे को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा, वहीं कंपनियों को रोजाना हजारों यात्रियों और आमजनों तक अपने उत्पाद और सेवाओं को पहुंचाने का मौका मिलेगा। प्रयागराज मंडल में इस योजना को लेकर तैयारी पूरी हो गई है। विज्ञापन के लिए उपयुक्त लोको और मेमू की पहचान के साथ उनके रूट और संचालन को भी ध्यान में रखा जाएगा। मेमू ट्रेनें रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों को लेकर शहर और आसपास के क्षेत्रों में चलती हैं। ऐसे में इन ट्रेनों पर विज्ञापन को प्रभावी माध्यम माना जा रहा है। रेलवे में इंजन पर विज्ञापन की व्यवस्था पहले भी लागू हो चुकी है। अलग–अलग जोन में कंपनियों ने लोकोमोटिव की ब्रांडिंग कराई है। अमूल, फॉर्च्यून, हल्दीराम और टाटा स्टील जैसे ब्रांड रेल इंजनों पर विज्ञापन करा चुके हैं। अब प्रयागराज मंडल भी इसी मॉडल के जरिए अपनी गैर–किराया आय बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

लखनऊ–दिल्ली–लखनऊ तेजस एक्सप्रेस के साथ भी कुछ ऐसा ही किया जा रहा है। 19 अगस्त से ट्रेन नंबर 82501 और 82502 स्प्राइट तेजस एक्सप्रेस के नाम से चलेगी। 11 नवंबर तक इसी नाम के साथ ट्रेन पटरी पर दौड़ेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्ब्ज्ब् ने सॉफ्ट ड्रिंक बनाने वाली कंपनी कोका कोला को करीब 6 महीने के लिए ट्रेन के विज्ञापन और ब्रांडिंग के लिए दिया है। जिसके तहत कोल्ड ड्रिंक स्प्राइट का विज्ञापन तेजस ट्रेन पर देखने को मिलेगा। हालांकि ट्रेन का संचालन पहले की तरह आईआरसीटीसी ही करेगा।

बता दें कि लखनऊ–दिल्ली के बीच चलने वाली अत्याधुनिक और प्रीमियम फीचर से लेस तेजस की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। इस ट्रेन में ऑन बोर्ड फूड, बेवरेज और इन्फोटेनमेंट जैसी सुविधाएं मिलती हैं। यह पूरी ट्रेन में स्लीपर की जगह चेयर कार है। उधर, बाबा बासुकीनाथ की पावन नगरी से गोरखपुर के लिए अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 17 और 24 अगस्त को रवाना होगी। बता दें कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने श्रावणी मेला विशेष ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। 03569 बासुकीनाथ–गोरखपुर श्रावणी मेला विशेष (अनारक्षित) बासुकीनाथ से 15.05 बजे 17 अगस्त और 24 अगस्त को प्रस्थान कर अगले दिन 04.20 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेनदेवघर स्टेशन पर ठहरेगी।

विभिन्न शिक्षण संस्थानों में किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। छतनाग के न्यू आरएसजे स्कूल में प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। न्यू टाउन हॉल स्कूल में बच्चों ने देशभक्ति प्रस्तुतियाँ दीं। विभिन्न संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया और उत्सव मनाया गया, जिसमें शिक्षकों और प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। समारोह में सभी ने एकजुट होकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

छतनाग स्थित न्यू आरएसजे स्कूल में प्रधानाचार्य सुमन जायसवाल ने ध्वजारोहण कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। न्यू टाउन हॉल स्कूल, अंदावा में बच्चों ने देशभक्ति कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सेंट्रल एकेडमी पेरेंट्स प्राइड में निदेशक एसी तिवारी, प्रधानाचार्य दीप्ति मिश्रा और आनंद पांडेय ने सामूहिक रूप से ध्वजारोहण किया। एमपी बिरला शिक्षा भवन में निदेशक नीलिमा वर्मा ने ध्वजारोहण कर शिक्षकों के साथ तिरंगे को सलामी दी। सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में भी शान से ध्वजारोहण किया गया। टीपी मेमोरियल के प्रबंधक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मीकांत उपाध्याय ने ध्वजारोहण कर बधाई दी। एमआरएस स्कूल के प्रबंधक अरविंद सिंह तथा माता कलावती दिव्यांग विद्यालय में भी देशभक्ति कार्यक्रम हुए।

डायरेक्टर अक्षत तिवारी और प्रधानाचार्य प्रज्ञा तिवारी ने तिरंगे को सलामी दी। उर्मिला गर्ल्स पीजी कॉलेज, सौम्य प्रभात मेमोरियल पब्लिक स्कूल, जेपी मेमोरियल हॉस्पिटल सहित विभिन्न संस्थानों में भी ध्वजारोहण हुआ।

पार्षद कोहना अनिल यादव (धुन्नू), पार्षद छतनाग शिवनारायण यादव, राजकुमार यादव, राजीव चावला, मनोज निषाद बिंद, मुन्ना पंडित, ब्लॉक प्रमुख बहादुरपुर अरुणेंद्र यादव (डब्बू), रवि श्रीवास्तव उर्फ रवि दादा, सुशील यादव और अफजाल खान ने अपने–अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण किया। गौरी आर्य सामाजिक कल्याण संस्थान, इंडियन लाइफ स्टाइल, कुबेर ज्वेलर्स, सिनर्जी स्कैनिंग सहित सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों में भी आजादी का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया।

संविदा कर्मी का कत्ल: मौत सामने थी, पर सच बोलने की जिद न टूटी, दम तोड़ने से पहले सौरभ ने गिनाए कातिलों के नाम

प्रयागराज। प्रतापगढ़ में जमीन विवाद में आपूर्ति विभाग के संविदा कर्मी की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान घायल सौरभ ने हमले की पूरी कहानी बताई। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। मौत सामने थी, पर सच बोलने की जिद नहीं टूटी। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मारपीट में घायल संविदाकर्मी सौरभ ने तड़पते हुए पहले कार में साथियों को हमलावरों के नाम बताए, फिर अस्पताल के बेड पर खुद वीडियो बनवाकर वारदात सुनाई। वायरल वीडियो में लहूलुहान सौरभ कांपती आवाज में गुनहगारों के नाम ले रहा था। इन्हीं लोगों ने मारा कहते–कहते उसकी सांसें थम गईं।

लीलापुर थाना के मानापुर सिंधौर निवासी मोती लाल विश्वकर्मा का 32 वर्षीय बेटा सौरभ विश्वकर्मा लालगंज आपूर्ति कार्यालय में संविदा कर्मी था। प्रतिदिन की तरह बृहस्पतिवार शाम सात बजे बाइक से वह लालगंज से घर लौट रहा था। डांडी गांव के समीप गजाधर इंटर कॉलेज के पास करीब 12 लोगों ने उसे रोक लिया। बेरहमी से पिटाई कर दी। गुहार लगाने पर आसपास के लोग दौड़े तो हमलावर बाइक से भाग निकले।

जानकारी होने पर कई कोटेदार पहुंच गए। कार से संविदाकर्मी को लेकर मेडिकल कॉलेज आ रहे थे। आंख में आंसू लेकर वह रास्ते भर अपनी दर्द बयां करता रहा। अस्पताल में मौत के कुछ क्षण पहले उसने साथियों से कहकर एक वीडियो बनवाया, जिसमें हमलावरों का वह नाम ले डाला। संविदा कर्मी की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। उनका आरोप है कि पुरानी रंजिश में साजिश कर सुभाष की हत्या की गई।

पुलिस ने वीडियो कब्जे में

लेकर नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पत्नी आंचल विश्वकर्मा ने कहा कि वीडियो ही अब सबसे बड़ा सबूत है, उसके पति के हत्यारों को वीडियो ही सजा दिलाएगी। सुभाष का आखिरी बयान अब परिवार के लिए इंसाफ की आखिरी उम्मीद बन गया है।

भूमि के विवाद में संविदा कर्मी की पीट–पीटकर हत्या

जमीन विवाद में आपूर्ति विभाग के संविदा कर्मी डांडी गांव निवासी सौरभ उर्फ मोनू विश्वकर्मा (32) की बृहस्पतिवार देर रात लक्ष्मणपुर ब्लॉक के पास पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख के बेटे पर हत्या का आरोप लगा है। हालांकि परिजनों ने अभी तक मामले की कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी है।

सौरभ बृहस्पतिवार की रात करीब नौ बजे घर आ रहे थे, तभी गांव के कुछ लोगों ने विवाद के दौरान उनकी पिटाई कर दी। गंभीर रूप से जख्मी युवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवक की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मेडिकल कॉलेज में जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजन आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते रहे। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं होता वह मेडिकल कॉलेज से नहीं जाएंगे। रात करीब साढ़े 12 बजे तक अफसर परिजनों को समझाते रहे लेकिन वह नहीं माने। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। अस्पताल में पुलिस बल तैनात है।

युवक ने वीडियो बनाकर लगाया आरोप

सौरभ उर्फ मोनू ने मौत से पहले अस्पताल में पूर्व ब्लॉक प्रमुख के बेटे दरोगा पर मारपीट का आरोप लगाया। इसका परिजनों ने वीडियो भी बनाया है। हालांकि कि वीडियो की पुष्टि संवाद न्यूज एजेंसी नहीं करती है। वीडियो में सौरभ ने कहा है कि पूर्व प्रमुख के बेटे ने पैर तोड़ दिया। गले पर भी पीटकर गंभीर चोट पहुंचाई।

विधायक पहुंचे मेडिकल कॉलेज

विश्वनाथगंज विधायक जीत लाल पटेल घटना की जानकारी होने पर रात करीब 11 बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

विधायक पल्लवी पटेल ने अतीक के बेटे अहजम से की मुलाकात, अबान की मौत पर जताया दुख

प्रयागराज। अतीक अहमद के बेटे अहजम से मिलने पहुंचीं सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल तो सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गईं। अबान अहमद की सड़क हादसे में मौत पर दुख जताते हुए पल्लवी ने परिवार के अन्य सदस्यों से भी मुलाकात की। उन्होंने इस रिश्ते को अपने पिता और अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल से जोड़ते हुए कहा कि अतीक अहमद ने उनके पिता का साथ दिया था। मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा होते ही प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। समर्थकों ने इसे पुराने रिश्तों को निभाने वाला साहसिक कदम बताया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अहजम से सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल ने मुलाकात की। उन्होंने अबान अहमद की सड़क हादसे में मौत पर दुख जताया। पल्लवी ने परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। पल्लवी पटेल ने कहा कि अतीक अहमद ने उनके पिता डॉ. सोनेलाल पटेल का साथ दिया था। पल्लवी पटेल ने इस मुलाकात को अपने पिता और अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल के अतीक से से पुराने रिश्तों को जोड़ा। मुलाकात की फोटो पल्लवी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया साइट्स पर भी साझा किया है। जिस पर काफी प्रतिक्रिया मिल रही है। लोगों ने लिखा कि पल्लवी ने बहुत ही बहादुरी और सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने अतीक से सोनेलाल के रिश्तों को संभालने का कार्य किया है। सभी पार्टियों में तमाम नेता आज भी हैं, जो अतीक अहमद को अपना सब कुछ मानते थे, लेकिन समय ने करवट ली तो कभी अतीक के परिवार का साथ नहीं दिया।

छह अगस्त को सड़क हादसे में अतीक के बेटे की हो गई थी मौत

माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद की सड़क हादसे में छह अगस्त को मौत हो गई थी। यह भीषण हादसा सुबह करीब 10रू30 बजे हुआ। अबान प्रयागराज से झांसी जेल में बंद अपने भाई अली अहमद से मिलने जा रहा था। वह दोस्तों के साथ एसयूवी कार में सवार था और झांसी–कानपुर हाईवे से गुजर रहा था। हादसा झांसी के पूंछ थाना क्षेत्र में हुआ। पुलिस के मुताबिक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पलट गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अबान अहमद और उसके साथी सोनू की मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हुए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार कार तेज रफ्तार में थी और अचानक नियंत्रण खो बैठी। बाद में हादसे से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें कार के डिवाइडर से टकराने का घटनाक्रम दिखाई देता है। अबान अतीक अहमद के पांच बेटों में सबसे छोटा था और उसकी उम्र करीब 21 वर्ष बताई गई। इसी झांसी में वर्ष 2023 में अतीक के बेटे असद अहमद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हुई थी।

सड़क हादसे में महिला और युवक की मौत, तीन घायल, मिर्जापुर हाईवे पर हुआ हादसा

प्रयागराज। किसी ने सोचा भी नहीं था कि शनिवार की सुबह दो परिवारों के लिए जिंदगी की आखिरी यात्रा बन जाएगी। एक ओर पति के साथ विंध्याचल धाम से दर्शन कर महिला ऑटो से घर लौट रही थी।

किसी ने सोचा भी नहीं था कि शनिवार की सुबह दो परिवारों के लिए जिंदगी की आखिरी यात्रा बन जाएगी। एक ओर पति के साथ विंध्याचल धाम से दर्शन कर महिला ऑटो से घर लौट रही थी, दूसरी ओर माइक्रो फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक ध्वजारोहण के बाद बाइक से घर जा रहा था। मिर्जापुर राजमार्ग पर धरांवनारा के पास दोनों वाहन आमने–सामने टकराए और कुछ देर बाद दोनों की जिंदगी थम गई। हादसे में महिला और युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए।

मिर्जापुर के जिगना थाना क्षेत्र के नेगुरा रिवई सिंह गांव निवासी दीपक सिंह (22) पुत्र केशराज सिंह माइक्रो फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थे। शनिवार को चाकघाट स्थित कार्यालय में ध्वजारोहण के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। सुबह करीब 10रू30 बजे टिकरी–धरांवनारा गांव के सामने पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइक सामने से आ रहे ऑटो से भिड़ गई।

ऑटो में चालक समेत चार लोग सवार थे। मेजा थाना क्षेत्र के आखरी शाहपुर निवासी रंजू देवी (35) पति विनय कुमार के

साथ बैजनाथ धाम गई थीं। वापसी में दोनों विंध्याचल धाम में दर्शन–पूजन करने के बाद ऑटो से घर लौट रहे थे। धरांवनारा के पास हुए हादसे में दीपक, रंजू देवी और विनय कुमार समेत पांच लोग घायल हो गए।

टक्कर की आवाज सुनकर राहगीर मौके पर दौड़ पड़े। सूचना पर दिघिया चौकी के दरोगा शोएब खान पुलिस बल के साथ पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में घायलों को शहर रेफर किया गया। प्रयागराज के अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दीपक सिंह और रंजू देवी को मृत घोषित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शी नहवाई निवासी राहुल मिश्र के अनुसार, बाइक की रफ्तार अधिक थी। सड़क पर मोड़ और एक बरगी के कारण दोनों वाहन आमने–सामने आते ही चालक नियंत्रण खो बैठे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक का रिम, सॉकर समेत अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ऑटो की सीएनजी पाइपलाइन भी फट गई और गैस का रिसाव होने लगा। आग न लगने से बड़ा हादसा टल गया।

दो परिवारों में मचा कोहराम

रंजू देवी की मौत की खबर घर पहुंचते ही बेटे अनित कुमार और बेटियों आंचल व अनन्या का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं चार भाई–बहनों में सबसे छोटे और अविवाहित दीपक सिंह की मौत की खबर से मां एवं भाजपा छानबे मंडल की उपाध्यक्ष विद्या सिंह और फाइनेंस कंपनी में कार्यरत बड़े भाई विक्रम सिंह भी बेसुध हो गए। दोनों परिवारों में कोहराम मचा रहा।

बिजली की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

प्रयागराज। 15 अगस्त को मुरार पट्टी में 51 वर्षीय संतोष यादव की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। वह घर की बिजली की गड़बड़ी ठीक कर रहे थे। हादसे के बाद परिवार में शोक छा गया। उनकी पत्नी, बेटा और तीन बेटियां हैं। संतोष के निधन ने पत्नी अन्ती देवी को बेसुध कर दिया।

15 अगस्त की शाम बिजली की चपेट में आने से 51 वर्षीय संतोष यादव की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मुरार पट्टी निवासी संतोष यादव पुत्र अक्षय कुमार यादव घर की बिजली की गड़बड़ी ठीक कर रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और बिजली के तार से चिपक गए। परिजन उन्हें स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचने पर चिकित्सकों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले आए और अंतिम संस्कार कर दिया। संतोष अपने माता–पिता की छह संतानों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी अन्ती देवी, एक बेटा और तीन बेटियां हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि अन्य बच्चों की शादी होनी बाकी है। पति की मौत के बाद पत्नी अन्ती देवी बेसुध है।

सिख समाज के समग्र विकास में सहयोग करेगी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की प्रयागराज में पहली बार सातवीं बैठक आयोजित की गई। सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित बैठक में प्रदेश के कई जिलों के सिख गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर पदाधिकारी सिख समाज के शैक्षिक विकास, युवाओं के कौशल विकास और सरकारी सेवाओं में समाज की भागीदारी बढ़ाने पर विचार विमर्श किया। पदाधिकारियों का कहना था कि समाज को राजनीतिक सरोकार से बिल्कुल दूर रखें। बदलते दौर ने सिख समाज में विजातीय शादी का प्रचलन बढ़ रहा है, जिसे पूरी तरह से रोकना होगा। बच्चों को सोशल मीडिया से भी दूरी बनाकर रखने पर विचार करना होगा।

पदाधिकारियों ने कहा कि सिख समाज के प्रतिनिधियों के लिए आपसी संवाद, एकजुटता और सामुदायिक हितों की जरूरत है। श्री गुरु सिंह सभा के कोषाध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने कहा कि समाज की एकता, शक्ति और आपसी एकजुटता ही पंथ एवं समुदाय के हितों को मजबूत आधार प्रदान करती है।

अवंती बाई लोधी तो जयंती पर सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना प्रधानी अवंती बाई लोधी की जयंती समाजवादी पार्टी के जार्जटाउन स्थित जिला कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर सपा के नेता, कार्यकर्ताओं ने वीरांगना के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वीरांगना की बहादुरी पर रविवार को आयोजित गोष्ठी के मुख्य वक्ता एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव ने कहा कि रानी अवंती बाई ने 1857 के संग्राम में अदम्य साहस दिखाते हुए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया और मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि वीरांगनाओं के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

सभा में जिलाध्यक्ष अनिल यादव, दान बहादुर मधुर, नाटे चौधरी, शांति प्रकाश पटेल, दूधनाथ पटेल, तारिक सईद अज्जू, रवि मिश्रा, अवधेश यादव, आरएन यादव, सुरेश यादव, संगम लाल मौर्य, खिन्नी लाल पासी, जगदीश यादव, सचिन श्रीवास्तव और मकबूल हासमी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करेली में तिरंगा यात्रा निकालकर मनाया स्वतंत्रता दिवस

प्रयागराज। करेली के जीटीबी नगर बी–ब्लॉक स्थित दुर्गा पूजा पार्क में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि पार्षद फजल खान ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया गया। इसके बाद तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद फजल खान और पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अतिथियों को मिठाई और फल वितरित किए गए, जबकि बच्चों को खिलौने दिए गए। देशभक्ति गीतों पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अकरम, महेंद्र श्रीवास्तव, अभिषेक वर्मा, सौरभ खन्ना, अंशु श्रीवास्तव, सरोज, अनुष्का, ऋचा, मंजीत सिंह, सोमेश घवन, कुलवंत कौर, राजेश मिश्रा, अखिलेश सिंह, शरद, सुबोध, विजय सिंह, शकील, पवन गुप्ता, ज्ञान कुशवाहा, सौरभ कपूर, जिलेदार सिंह, कैलाश गुप्ता, अजय श्रीवास्तव, सहाय मौर्या, मनोज सिंह, स्वप्निल और अखिलेश श्रीवास्तव समेत स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त

नवयुग कन्या महाविद्यालय में मनाया गया 80वांस्वतंत्रता दिवस

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेन्द्र नगर लखनऊ में 80वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के द्वारा झंडारोहण किया गया। इस अवसर एन. सी. सी. के कैडेटों द्वारा झंडे को सलामी दी गयी और भारत माता की जय के उद्घोष से महाविद्यालय परिसर गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गयीं एन .सी .सी. की कैडेट शुभी द्वारा कविता, ऐ हिंद तू आजादहै आजाद रहेगा, जवानों के बदोलत हिंदुस्तान जिंदा है,सुनाई। बी. एस. सी की छात्रा श्रेया और अन्य छात्राओं ने समूह नृत्य तेरा हिमालय प्रस्तुत किया। तिरंगा गीत पर नृत्य बी .काम. की छात्रा पूर्वी और शैली द्वारा प्रस्तुत किया गया। उत्कर्षा एवं समूह के द्वारा मैं नये भारत का चेहरा हूं नृत्य प्रस्तुत किया गया। मेजर डा मनमीत कौर सोढ़ी ने उच्च शिक्षा निदेशक मोनिका सिंह के संदेश का वाचन किया। एन. सी. सी. की कैडेट सिद्धी और नैन्सी द्वारा जयतु जननी भारतुम,जयतु जंबूद्वीप भूमि भारतंम सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। देश गीत कल्पना बी. एस. सी. प्रथम वर्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसे सुनकर सभी भाव विभोर हो गए।एकल नृत्य बी. काम .की अनुष्का द्वारा देश रंगीला प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा कि हम इस समय आजादी अमृत काल में चल रहे हैं। इस समय हमें कर्तव्यों का पालन करना है। आज भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आ रहा है। हमे इस समय किसी के बहकावे में ना आकर तार्किक रूप में बात कहना चाहिए। हमें अनेक बलिदानों के बाद आज स्वतंत्रता मिली है। ये समय सतर्क रहने का है। अभिव्यक्ति की आजादी कभी भी राष्ट्र के विखंडन की नहीं होनी चाहिए। छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने देश के प्रति कर्तव्य का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम का सुंदर संचालन बी. एस.सी. प्रथम सेमेस्टर की पूर्वी और अंजलि ने किया।छात्रा इशिता दुबे बी .एस.सी. पंचम सेमेस्टर ने अपने ओजस्वी विचार प्रस्तुत किये।लोक गायिका, शिप्रा चंद्रा ने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत सुनाकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति और एन. सी. सी.के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक समिति के सभी सदस्य प्रो. सीमा सरकार,डा स्नेहा चौधरी,डा .क्षमा तिवारी,डा. रीमा छाबड़ा,डा. अपूर्वा अवस्थी,डा. क्षितिज शुक्ला,डा. गरिमा मिश्रा,डा. सुकन्या तिवारी एवं महाविद्यालय की सभी प्रवक्ताएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

जन कल्याण विकास समिति के द्वारा हरिहर नगर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम

लखनऊ (संवाददाता)। 80वे. स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर हरिहर नगर जन कल्याण विकास समिति के द्वारा लार्ड मेंहर चौराहा हरिहर नगर (सद्भावना चौक)पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वीर चक्र विजेता (कारगिल) आदरणीय श्री शत्रुघ्न सिंह जी एवं पीस एजुकेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट के (अध्यक्ष) श्री मुर्तजा अली सिद्दीकी एवं श्री के डी सिंह, श्री घनश्याम सिंह श्री आर.डी कनौजिया श्री सीएल वर्मा जी, श्री विनोद चतुर्वेदी श्री राजेंद्र सिंह जी श्री पिंटू, श्री अनवर अली सिद्दीकी श्री प्रमोद कनौजिया एवं हरिहर नगर जनकल्याण समिति के महामंत्री श्री हरिश्चंद्र सिंह जी एवं (अध्यक्ष) मुकेश दुबे एवं समिति के समस्त पदाधिकारीगण एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पर्व पर उपस्थित रहे। और राष्ट्रीय पर्व बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। हरिहर नगर जन कल्याण विकास समिति कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथिगणों का एवं क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार एवं वंदन करती है।

विश्वस्तरीय सड़क का दावा फेल, मरम्मत के बावजूद उखड़ना बंद नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। लोकार्पण के समय लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे को देश की आधुनिक सड़क व्यवस्था की मिसाल रोड बताया गया था, वो तो महीना भर सही ढंग से नही चल सकी। यातायात शुरू होने के महज एक महीने में ही जगह–जगह घायल हो गई । 63 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर करीब डेढ़ दर्जन स्थानों पर सड़क धंसने और 24 स्थानों पर सीपेज की समस्या सामने आ चुकी है।जगह–जगह सड़क की ऊपरी परत उखड़ रही है तो कहीं बारिश का पानी सड़क की मजबूती पर सवाल खड़े कर रहा है।लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे का 13 जुलाई को लोकार्पण हुआ था और 14 जुलाई से आम वाहनों के लिए यातायात शुरू किया गया। इसे लखनऊ और कानपुर के बीच तेज, सुरक्षित और सुगम आवागमन की नई कड़ी के रूप में प्रचारित किया गया। मानसून की दस्तक के साथ ही सड़क निर्माण की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे। कई स्थानों पर सड़क धंसने के बाद मरम्मत का काम करना पड़ रहा है। सीपेज वाले स्थानों पर भी पानी के स्रोत और उसके सड़क संरचना पर पड़ने वाले प्रभाव की पड़ताल चल रही है। स्वायल डेनसिटी की जांच के साथ जल निकासी नालियों को दुरुस्त करने का काम जारी है।एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही 14 जुलाई की सुबह आठ बजे से शुरू हुई थी। इसके 13वें दिन 26 जुलाई को पहली बार किमी 64 पर कुरारी गांव के पास सड़क धंसी। उसके बाद से ये सिलसिला जारी है।शनिवार को बारिश के बीच लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे पर मरम्मत कार्य की रफ्तार धीमी रही। किमी 28.8 पर सड़क की लेयरिंग और रोलरिंग का काम चला जबकि किमी 29.9 पर डामर की लेयर दोबारा उखड़ी। किमी 60.1 से 61.9 तक फेल ड्रेनेज सुधारने का काम भी जारी रहा। कई जगह जलभराव से खामियां साफ नजर आईं। किमी 28.8 पर 700 मीटर तक एक लेन बंद रही। गुणवत्ता मानकों की अनदेखी खामियों की वजह हो सकती है। 63 किलोमीटर लम्बे एक्सप्रेसवे के निर्माण पर करीब 4200 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। करीब 66.67 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर की लागत आई। इसमें छह लेन की सड़क के साथ 13.1 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मार्ग, तीन बड़े पुल, 28 छोटे पुल, 38 अंडरपास और छह फ्लाईओवर शामिल हैं। एक्सप्रेसवे पर पहले 24 घंटे में 13,328 वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई थी। एक्सप्रेसवे बनने के बाद 24 स्थानों पर सीपेज की समस्या आई, जिससे सड़क की तालकोल उखड़ गई।एनएचएआई के चीफ रीजनल अफसर गौतम विशाल कहते हैं, जहां सड़क धंसी थी वहां डेढ़ मीटर तक खुदाई कर सड़क निर्माण हुआ। कुछ स्थानों पर कार्य चल रहा है। वाहनों की आवाजाही जारी है।

भयहरणनाथ धाम में 17 अगस्त, नागपंचमी पर होगा घुघुरी लोक उत्सव

डीएम-एसपी सहित 10 को प्रतापगढ़ गौरव सम्मान, 6 को समाज रत्न और 6 को गुड़िया सम्मान से किया जाएगा सम्मानित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भयहरणनाथ धाम, कटरा गुलाब सिंह में सावन मेला 2026 के अंतर्गत 17 अगस्त 2026, दिन रविवार को नागपंचमी के अवसर पर भव्य ष्घुघुरी लोक उत्सवष का आयोजन किया जाएगा।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान, बकुलाही पुनरोद्धार अभियान एवं कटरा गुलाब सिंह नागरिक विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में क्षेत्र की सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के 'मुख्य अतिथि विश्वनाथगंज के विधायक श्री जीत लाल पटेल' होंगे। 'नगर पंचायत अध्यक्ष कटरा गुलाब सिंह श्री अशोक कुमार मुन्ना यादव' समारोह के स्वागताध्यक्ष होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ व आयुक्त आर एस वर्मा जी करेंगे।

सम्मानित होने वाले विशिष्टजन

'1. प्रतापगढ़ गौरव सम्मान–2026'

1. श्री अभिषेक पाण्डेय, जिलाधिकारी प्रतापगढ़
2. श्री दीपक भूकर, पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़
3. श्री शिव सहाय अवस्थी, पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़
4. श्री सुनील प्रभाकर, वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार
5. श्री रमेश त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक जागरण प्रतापगढ़
6. श्रीमती जया मोहन श्रीवास्तव, पूर्व प्रवक्ता जीजीआईसी प्रतापगढ़
7. श्री ओम प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक
8. श्रीमती प्रतिमा मिश्रा, राष्ट्रीय पार्श्व एवं लोकगायिका
9. श्री देवव्रत जी महाराज, सुप्रसिद्ध कथा व्यास व सिद्ध संत
10. श्री शैलेंद्र मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद्

'2. अमर क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान–2026'

1. श्री हरकेश बहादुर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार, अमर उजाला
2. श्री आलोक आजाद, अध्यक्ष, जांबाज हिन्दुस्तानी सेवा समिति
3. श्री डी के शर्मा, संयोजक, लोक भारती प्रतापगढ़
4. श्री दिनेश अग्रहरि, सुप्रसिद्ध व्यवसायी, कटरा गुलाब सिंह
5. श्री राजेन्द्र प्रसाद पटेल, अग्रणी किसान, होलागढ़ प्रयागराज
6. श्री मो. जलालउद्दीन, किसान नेता

'3. गुड़िया सम्मान–2026'

1. डॉ. उषा मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी, प्रयाग महिला विद्यापीठ प्रयागराज
2. आकांक्षा सिंह, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय इलाहाबाद
3. सुश्री अंजलि वैश्य, नीट परीक्षा उत्तीर्ण
4. श्रीमती नीतू गौतम, किसान नेता
5. डॉ. रीता सिंह, शिक्षाविद्
6. सुश्री अंशू सिंह, संचालिका, ब्यूटी पार्लर व सिलाई केंद्र

'कार्यक्रम की विशेषताएं'

उत्सव में लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य, सावनी गीतों की प्रस्तुति, 2 किमी दौड़ प्रतियोगिता, गुड़िया–गुड्डा प्रतियोगिता तथा फुलझड़ी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

कार्यक्रम में साहित्य भूषण सम्मान से विभूषित जन कवि प्रकाश जी की कृति 'ष्वो पथिक प्रियष्' का लोकार्पण भी किया जाएगा।

साथ ही 'विराट कवि सम्मेलन' भी होगा जिसमें जन कवि जय प्रकाश शर्मा, शंभु नाथ अंशुल जी, अखिलेश द्विवेदी, डॉ. नीलिमा मिश्रा, नजर इलाहाबादी, डॉ. उषा मिश्रा, डॉ. अशोक अग्रहरि, शिवम भगवती, आलोक बैरागी, प्रशांत बरुहिया, आशा लता यादव जैसे कवि अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

एसजेसी के शिक्षकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

प्रयागराज। जोसेफाइट समुदाय के प्रति अपनी निरंतर सेवा एवं योगदान की भावना के तहत ओल्ड बॉयज एसोसिएशन (OBA) द्वारा 15 अगस्त 2026 को सेंट जोसेफ्स कॉलेज के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर डॉ. आयुष जायसवाल (2014 बैच), शकुंतला जायसवाल नर्सिंग होम के सहयोग से आयोजित किया गया तथा इसका समन्वय अभिषेक वर्मा (2014 बैच) ने किया। शिविर में वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए निरूशुल्क चिकित्सकीय जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा प्रदान की गई। यह उन शिक्षकों के प्रति OBA की कृतज्ञता की

एक छोटी–सी पहल थी, जिन्होंने अपना जीवन जोसेफाइट्स की पीढ़ियों को शिक्षित एवं संस्कारित करने में समर्पित किया है।

इस पहल को और सार्थक बनाते हुए शकुंतला जायसवाल नर्सिंग होम द्वारा सभी वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को आगे की चिकित्सा सेवाओं के लिए 25: विशेष डिस्काउंट वाउचर भी प्रदान किया गया।

OBA ने डॉ. आयुष जायसवाल एवं शकुंतला जायसवाल नर्सिंग होम की पूरी टीम के प्रति इस पहल को सफल बनाने में उनके सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। मानद सचिव पीयूष टंडन ने कहा कि यह उन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता की एक छोटी–सी पहल है, जिन्होंने जोसेफाइट्स की पीढ़ियों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी व्ठ। द्वारा ऐसे अनेक सेवा एवं चौरिटी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई जा सके।

जश्ने आज़ादी पर तरही ग़ज़लिया निशस्त, गूंजा आज़ादी का तराना

प्रयागराज। 15 अगस्त को,अदबी तन्ज़ीम ष्उर्दू हिंदी संगमष की जानिब से यौमे आज़ादी के मौक़े पर तरही ग़ज़लिया निशस्त का एहतेमाम किया गया। निशस्त के आग़ाज़ में शहीदाने वतन को याद किया गया और उन्हें ख़िराज़ अक़ीदत पेश किया गया।

उस्ताद जनाब अनवार अब्बास नक़वी साहिब की सदारत में हुई इस निशस्त में मौजूद तख़लीक़ कारों ने मिसरा ए तर्ह पर अपने कलाम पेश फ़रमाये और क़द्रो तहसीन के मुसतहक़ हुए।

डाक्टर नईम साहिल,जनाब वाक़फ़ि अंसारी,मोहतरमा सुनैना त्रिपाठी,मोहतरमा अतिया नूर, मोहतरमा संगीता श्सुमनश,जाफ़र नवाब और मिर्ज़ा राहिब ने बेहतरीन कलाम पेश किये।

सहज-सरल लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व प्रधानमंत्री- योगी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा निवेदित करते हुए लोकभवन स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटलजी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु के रूप में 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव के साथ निरंतर कार्य करते रहे। सार्वजनिक जीवन की शुरुआत उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर मेंधारा–370 लगाए जाने के विरोध में सत्याग्रह से प्रारंभ की थी। सीएम योगी ने कहा कि सांसद, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री की अलग–अलग भूमिकाओं में भी उनके लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' रहा। वह भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, नेता सदन, प्रधानमंत्री समेत किसी भी पद पर रहे हों, लेकिन उनका जीवन का ध्येय केवल 'राष्ट्र प्रथम' था।

मोगरा उस...

(कुण्डलिया)

आशा निष्ठा साथ में, शुचिता प्रेम प्रतीक।
दिखे सभी इक फूल में, लगता जो रमणीय।
लगता जो रमणीय, मोगरा उसको कहते।
नारी का श्रंगार, हमेशा हँस कर करते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी की बन प्रत्याशा।
सबके दिल की बनी, मधुर नव जीवन–आशा।।

जिसके अंतस में सदा, खुशबू करे प्रवास।
सुन्दर सफेद फूल वह, लगे सभी को ख़ास।
लगे सभी को ख़ास, कृष्ण से जिसका नाता।
महफ़िल की बन जान, मोगरा सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, जानिएँ हर गुण उसके।
भक्ति भाव के साथ, प्रेम अंतस में जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

प्रयागराज। भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होटल प्रयाग इन में लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पांडे ने तिरंगा का ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर पांडे ने कहा शहीद हुए

जवानों को याद करने के साथ ही आज़ादी को गांवों तथा आम व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए कार्य आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर प्राण ने कहा कि सभी को विचार, निर्णय व क्रियान्वयन की स्वतंत्रता के आधार पर ही स्वराज की संकल्पना की जा सकती है। परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश गर्ग ने इस अवसर पर सभी का स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन सचिव डॉ जागेश्वर द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर एडीसी संगीत विभाग की छात्राओं ने देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष गगन मोहन, प्रो उमेश प्रताप सिंह, प्रदीप कुमार, आलोक शाह, राजीव अग्रवाल, राजीव माहेश्वरी, डॉ पुरुषोत्तम सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

एमडी पीजी कॉलेज में मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

प्रतापगढ़। मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ में स्वतंत्रता दिवस का 80वर्ष मनाया गया।इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमान प्रमन मिश्र और प्राचार्य प्रो शैलेन्द्र कुमार मिश्र जी ने झंडा फहराया। मुनीश्वर दत्त कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार मिश्र ने उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा निदेशक के दिए गए संदेश का वाचन किया। तत् पश्चात आजादी की इस वर्षगांठ पर पूरे महाविद्यालय परिसर में बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई।इस अद्भुत

पल के लिए बच्चों ने रंगोलिया बनाई जो सभी के लिए राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। कॉलेज के मुनीश्वर दत्त सभागार में एक बड़ी संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि श्री मान प्रमन मिश्र और विशिष्ट अतिथि श्री आनंद कुमार पांडे जी रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.)शैलेंद्र कुमार मिश्र ने किया। प्राचार्य जी ने अपने संदेश में अपने संबोधन में कहा कि हम सब अपने दायित्वों का निर्वहन करके ही राष्ट्र के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि दी सकते हैं। अपनी संस्था पर महाविद्यालय में बड़ी संख्या में प्राध्यापकगण, तृतीय चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी गण छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

परिसीमन से ज्यादा जरूरी देश की सीमाओं की सुरक्षा–अखिलेश

बोले,भाजपा बताए 2014 से अब तक क्या बदला

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। परिसीमन के मुद्दे पर कहा कि आज देश के सामने परिसीमन से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी सीमाओं की सुरक्षा है। भाजपा को बताना चाहिए कि 2014 में देश का क्षेत्रफल कितना था और अब कितना है। लखनऊ में वीरांगना अवंती बाई लोधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सरकार को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने परिसीमन के साथ देश की विदेश नीति, आतंकवाद और नक्सलवाद जैसे विषयों को महत्वपूर्ण बताया। सपा अध्यक्ष ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आम लोगों पर महंगाई का दबाव बढ़ रहा है।पेट्रोल में ई–20 मिलाए जाने का मुद्दा उठाते हुए सरकार से इसका जवाब मांगा। किसानों को खाद और डीएपी की उपलब्धता को लेकर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिल रही है। अखिलेश ने लखनऊ की सफाई व्यवस्था को लेकर प्रदेश सरकार और नगर प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राजधानी में जगह–जगह कूड़ा पड़ा है और नाले भरे हुए हैं, जबकि स्मार्ट सिटी की बातें की जा रही हैं।

सम्पादकीय.....

लालच का जानलेवा खेल

पंजाब स्थित नवांशहर के एक गांव में ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर–युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने–पोसने तक माता–पिता पूरा जीवन लगा देते हैं। उनसे बड़ी उम्मीदें होती हैं। मगर जब बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं तो परिवार पूरी तरह टूट जाता है। बच्चा तो आत्महत्या कर लेता है, लेकिन परिवार को रोज तिल–तिल कर मरने को छोड़ देता है। दरअसल, आज मोबाइल दुधारी तलवार जैसे हो गए हैं। सूचना–संवाद तो देते हैं, साथ ही तमाम आघातों की आशंकाएं भी रहती हैं। जो मोबाइल बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई और संवाद के लिये दिये जाते हैं, उसका दुरुपयोग बच्चे ऑनलाइन गेमिंग व वर्जित सामग्री देखने के लिये करने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी बेबस है कि वे बच्चों की निगरानी कैसे करें? वे पढ़ रहे हैं या गेम खेल रहे हैं? दरअसल, देश–दुनिया में नई पीढ़ी के जीवन में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। नित नई तकनीक हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रही है, लेकिन हम उसके नकारात्मक दुष्प्रभावों से बच नहीं पा रहे हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति समाज में इतनी गहरे तक घर कर गई है कि हर कोई रातों–रात अमीर बनने के सपने देखने लगा है। सोच है कि जैसे–तैसे पैसा कमाकर अमीर बना जाए। नवांशहर की घटना में पंद्रह साल के किशोर को आखिर क्यों ऑनलाइन गेमिंग से कमाई करने की ललक पैदा हुई? गेम खेलना बुरी बात नहीं है लेकिन उसका लत बनना घातक है। ये किशोर के खेलने–खाने की उम्र थी, लेकिन मैदान के खेल। लेकिन लालच के गेम में उलझकर आखिर वह क्या पाना चाह रहा था? जाहिर है पंद्रह साल के बच्चे की पढ़ाई–लिखाई से लेकर अन्य खर्चे तक मां–बाप ही उठाते हैं। आशंका हो सकती है कि किशोर परिवार के किसी व्यक्ति के खाते से रकम निकालकर ऑनलाइन गेमिंग में हार गए हों। फिर परिवार की सख्त प्रतिक्रिया के भय से ही उन्होंने आत्महत्या करने का दुखद फैसला लिया हो। बहरहाल, तकनीक के जरिये तेजी से बदलती दुनिया में बच्चों का सामंजस्य स्थापित करना अभिभावकों के लिये बड़ी चुनौती बनी हुई है। पुरानी पीढ़ी के मां–बाप बच्चों की खुशी के लिये उन्हें मोबाइल व इंटरनेट की सुविधा तो उपलब्ध करा देते हैं, मगर इसके घातक प्रभावों की वे भी कल्पना नहीं कर पाते। कोई मां–बाप नहीं चाहता कि उनका बच्चा बुरी आदत का शिकार बने, लेकिन यार–दोस्तों की संगत में रहकर वे अकसर भटक जाते हैं। इस घटना में 21 साल के युवक के साथ पंद्रह साला दो बच्चों का भी जहर खाना कई सवालों को जन्म दे जाता है। आखिर क्या युवक के साथ किशोर भी ऑनलाइन गेमिंग की लत के शिकार थे? क्या उन्होंने अपने घर से पैसे लाकर युवक को ऑनलाइन गेमिंग में बाजी लगाने को दिए? फिर गेम हारने पर पैसा गंवाने के भय से उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया? बहरहाल, केंद्र व राज्य सरकारों को पैसे वाली ऑनलाइन गेमिंग के नियमन के लिये गंभीर पहल करनी चाहिए। ताकि फिर किसी परिवार के फूल न मुर्झाएं।

युवाओं के लिए अच्छे काम का रास्ता मुश्किल

ज्ञान पाठक

युवाओं के लिए अच्छे काम का रास्ता मुश्किल है। युवाओं में बेरोजगारी और नीट(जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं और न ही ट्रेनिंग ले रहे हैं) की दरें बढ़ रही हैं। कोविड–19 महामारी के बाद युवाओं के रोजगार में जो सुधार देखा गया था, वह अचानक रुक गया है। हालात में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व अर्थव्यवस्था में बहुत ज्यादा अनिश्चितता और कमजोरी है। विकास दर धीमी है, अनिश्चितता ज्यादा है, महंगाई का दबाव बना हुआ है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नए जोखिम सामने आ रहे हैं। इनमें से कोई भी बात युवाओं के लिए अच्छी नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोट ग्लोबल एम्प्लॉयमेंट ट्रेंड्स फॉर यूथ 2026रू बैक टू द फ्यूचर ने इस गंभीर स्थिति को उजागर किया है और नौकरियों की संख्या और गुणवत्ता, दोनों ही मामलों में युवाओं के रोजगार में हालिया गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। 2023 में दो दशकों से ज्यादा समय में सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद, 15 से 24 साल के युवाओं में वैश्विक बेरोजगारी दर 2025 में बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई, जिसका मतलब है कि दुनिया भर में 6. 7 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। ऐसे युवाओं की वैश्विक हिस्सेदारी जो न तो नौकरी कर रहे हैं, न पढ़ाई कर रहे हैं और न ही ट्रेनिंग ले रहे हैं (नीट), वह भी फिर से बढ़ रही है। यह 2023 में 19.7 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि 2023 के बाद से नीट श्रेणी में 90 लाख और युवा शामिल हुए हैं, जिससे 2025 में इनकी कुल संख्या 25.7 करोड़ हो गई है। ज्यादा युवाओं के इसमें शामिल होने और युवाओं के इस स्थिति से बाहर निकलने में मुश्किल होने के कारण, युवाओं में नीट दर का बढ़ता रूझान खास तौर पर चिंताजनक है। 2023 और 2025 के बीच 11 में से 8 उप–क्षेत्रों के साथ–साथ ज्यादा आय, कम–मध्यम आय और कम आय वाले देशों में भी युवाओं की बेरोजगारी दर बढ़ी है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में देखी गई। मध्य और पश्चिमी एशिया, पूर्वी यूरोप और ऊपरी–मध्यम आय वाले देशों में, युवाओं की बेरोजगारी दर में कमी की श्अच्छी खबरश नीट (पढ़ाई, काम या ट्रेनिंग में शामिल न होना) स्थिति वाले युवाओं की संख्या में बढ़ोतरी से फीकी पड़ गई। हालांकि लैटिन अमेरिका और कैरिबियन एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जहां युवाओं की बेरोजगारी दर और नीट दर दोनों में कमी देखी गई, लेकिन आगे के विश्लेषण से पता चला कि इसके नतीजे आंशिक रूप से युवाओं की घटती आबादी के कारण थे और इस उप–क्षेत्र के ज्यादातर देशों में युवा श्रम बाजार की भागीदारी में खराब रुझान दिखे। दुनिया के लगभग सभी उप–क्षेत्रों में नीट की चुनौती का एक महिला चेहरा है। 2025 में भी, नीट स्थिति वाले हर तीन युवाओं में से दो से ज्यादा महिलाएं थीं और 27.4 प्रतिशत के साथ, युवा महिलाओं की नीट दर युवा पुरुषों (13.1 प्रतिशत) की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा थी। वैश्विक स्तर पर, 2023 के बाद से नीट दर में बढ़ोतरी युवा पुरुषों की तुलना में युवा महिलाओं के लिए थोड़ी ज्यादा तेजी से हुई (जो क्रमशः 0.5 प्रतिशत अंक और 0.2 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी थी), जिससे जेंडर गैप और बढ़ गया। यह आज के युवाओं के लिए आगे आने वाली मुश्किल राह की ओर इशारा करता है क्योंकि वे अच्छा काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अभी भी लाखों युवा–मुख्य रूप से युवा महिलाएं– ऐसी हैं जिन्हें रोजगार, शिक्षा या ट्रेनिंग नहीं मिल रही है। इससे भी बुरी बात यह है कि यह संख्या बढ़ रही है। यह रिपोर्ट अपर्याप्त नौकरी सृजन से बढ़ते दबावों के बारे में चेतावनी देती है, जो ज्यादा से ज्यादा युवाओं को निष्क्रियता, लंबे समय तक नौकरी की तलाश (जिससे निराशा हो सकती है) या अनौपचारिक रोजगार की ओर धकेल रहे हैं। अक्सर, युवा खुद को ऐसी नौकरियों में पाते हैं जो उनकी योग्यता या आकांक्षाओं से मेल नहीं खातीं, या जो आय की असुरक्षा को कम करने के लिए जरूरी लेबर और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहती हैं। खास तौर पर चिंताजनक बात मध्यम–कौशल वाली नौकरियों में कमी है, जो कभी सेकेंडरी स्कूल या टेक्निकल ट्रेनिंग के बाद अपनी पहली नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुरक्षित विकल्प हुआ करती थीं। युवाओं के लिए श्रम बाजार के इन प्रतिकूल नतीजों के साथ–साथ, एआई के बारे में भी चर्चा बढ़ रही है। हालांकि नौकरियों पर इसके प्रभाव के सुबूत अभी भी अनिश्चित हैं, लेकिन हमें लापरवाह नहीं होना चाहिए और रिपोर्ट में बताए गए जोखिमों को कम करके नहीं आंकना चाहिए।

युवाओं में चिंता का स्तर बहुत ज्यादा है। श्रम बाजार में अस्थिरता से जुड़े नुकसानों को देखते हुए – जिनमें युवाओं की भलाई और लंबे समय में उनकी उत्पादकता और कमाई की संभावनाओं पर असर शामिल है – यह रिपोर्ट कार्रवाई करने का एक आह्वान है। जहां युवाओं के रोजगार में ठहराव आया है या कमी आई है, वहीं वयस्कों के रोजगार में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक स्तर पर युवाओं की बेरोजगारी दर 2023 में 12. 3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 12.4 प्रतिशत हो गई, जबकि वयस्कों (25 वर्ष और उससे अधिक उम्र) की दर 3.7 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत हो गई। इन अलग–अलग रुझानों के कारण युवाओं और वयस्कों की बेरोजगारी दरों का अनुपात बढ़ गया है (2025 में यह 3.4 था), जो यह संकेत देता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए युवा टैलेंट को काम पर रखने में मुश्किलें बढ़ रही हैं। पूर्वी एशिया, उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप और दक्षिणी एशिया में युवाओं और वयस्कों की बेरोजगारी दरों का अनुपात बढ़ा है।

यह रोजगार (वेतन–आधारित रोजगार) से जुड़ी नीतियों के क्षेत्र में और अधिक काम करने की तत्काल आवश्यकता और मजदूरों व सामाजिक सुरक्षा के बारे में एक स्पष्ट संदेश देता है, ताकि युवाओं को भरोसा दिलाया जा सके कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

आंदोलनों की शक्ति : स्वतंत्रता संग्राम से जेन जी तक

अरुण कुमार डनायक

भारत का स्वतंत्रता दिवस अन्याय के विरुद्ध लोकतांत्रिक और अहिंसक संघर्ष की निरंतर जिम्मेदारी का प्रतीक है। भारत की स्वतंत्रता में अनेक धाराओं का योगदान रहा, पर गांधी के अहिंसक आंदोलनों ने जनसामान्य की ललक को व्यापक जनआंदोलन में बदल दिया। गांधी के नेतृत्व में असहयोग, दांडी मार्च, सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जनसहयोग से सफल रहे। भारत छोड़ो आंदोलन ने शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी के बावजूद स्वतंत्रता की निर्णायक चेतना जगाई और ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी। भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों की जड़ें भक्ति आंदोलन में हैं, जब कबीर, नानक और रैदास ने सामाजिक रूढ़ियों व भेदभाव के विरुद्ध जनचेतना जगाई। किन्तु आजादी के पहले हुए आंदोलनों ने भी जातीय भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष को दिशा दी। 1927 के महाड सत्याग्रह में डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में दलितों ने चवदार तालाब से पानी पीकर सार्वजनिक जलस्रोतों पर अधिकार जताया। महात्मा गांधी की हरिजन यात्रा ने अस्पृश्यता के विरुद्ध जनमत और मंदिर प्रवेश व शिक्षा के अधिकारों के प्रति चेतना जगाई। आजादी के बाद गांधी चाहते थे कि शासन समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज सुने और रचनात्मक कार्यक्रम को प्राथमिकता दे। संविधान ने नागरिकों को न्यायिक उपचार के साथ शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति का अधिकार भी दिया। लेकिन व्यवस्था की सीमाओं से आकांक्षाएं पूरी न होने पर लोगों ने आंदोलनों का रुख किया। डॉ. राम मनोहर लोहिया के श्कांग्रेस हटाओ, देश बचाओश और श्अंग्रेजी हटाओश जैसे आंदोलनों ने आजाद भारत में राजनीतिक आंदोलनों को नई धार दी। राजनीतिक आंदोलनों को पहली बड़ी सफलता छात्रों की भागीदारी से मिली। 1973–74 के गुजरात नव–निर्माण आंदोलन ने भ्रष्टाचार और महंगाई के विरोध में चिमनभाई पटेल सरकार को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। इससे उत्साहित बिहार के छात्रों ने 1974 में जयप्रकाश नारायण से राज्य के कुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। बाद में यही आंदोलन इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध व्यापक जनआंदोलन में बदल गया। जेपी ने पटना के गांधी मैदान से संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। आंदोलन के दबाव में आपातकाल लगा, विपक्षी नेता जेल गए और प्रेस पर पाबंदियां लगींकृयह भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय माना गया। 1977 में पहली बार कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हुई और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना व लोकतांत्रिक सत्ता परिवर्तन हेतु इस आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व रहा। चंडी प्रसाद भट्ट, सुंदरलाल बहुगुणा आदि के नेतृत्व में उत्तराखंड का श्चिपको आंदोलनश (1973) जंगलों व पर्यावरण संरक्षण की व्यापक जनचेतना का माध्यम बना। नर्मदा बचाओ आंदोलन (1985) मेधा पाटकर के नेतृत्व में सरदार सरोवर बांध से प्रभावित किसानों, आदिवासियों और विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा के लिए शुरू हुआ। आंदोलन ने बड़े बांधों के सामाजिक–पर्यावरणीय प्रभावों पर राष्ट्रीय बहस छेड़ी। बांध निर्माण रोकने में असफल रहने पर भी आंदोलन ने सरकारों को विस्थापितों के मुआवजे व पुनर्वास के लिए दबाव में लाया और यह सवाल उठाया कि विकास की कीमत कौन चुकाए तथा प्रभावितों के अधिकार कैसे सुरक्षित हों? वीपी सिंह सरकार द्वारा मंडल आयोग (1990) लागू करने के विरोध में छात्रों का व्यापक आंदोलन हुआ, जिसमें राजीव गोस्वामी सहित कुछ युवाओं ने आत्मदाह का प्रयास किया। मंडल के साथ उभरी कमंडल की राजनीति ने भारतीय राजनीति में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को भी गहरा किया। महिला आंदोलनों ने दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाने के साथ समान अधिकारों की मांग की। मुस्लिम महिलाओं के आंदोलनों ने गुजारा भत्ता, तीन तलाक और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श में प्रमुखता दी। श्रमिक आंदोलनों ने न्यायपूर्ण वेतन व श्रमिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक के शुरुआती वर्षों में हुए निर्भया आंदोलन ने सरकार को यौन अपराधों के विरुद्ध कड़े कानून बनाने के लिए विवश किया तो अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले भ्रष्टाचार–विरोधी आंदोलन ने भ्रष्टाचार और लोकपाल के मुद्दे को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला दिया।

इसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उभार से लेकर केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार को मिली राजनीतिक चुनौती तक, भारतीय राजनीति में आंदोलनों के प्रभाव का एक नया दौर दिखाई दिया। आज देश में फिर आंदोलन का माहौल बन रहा है। 2020–21 में तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध चला लंबा किसान आंदोलन सरकार को कानून वापस लेने पर विवश कर गया और आंदोलनों की प्रभावशीलता का महत्वपूर्ण उदाहरण बना। इसके बाद श्काकरोच जनता पार्टीश के बैनर तले नई पीढ़ी परीक्षा व्यवस्था की अनियमितताओं और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर–मंतर पर एकत्रित हुई।

गांधीवादी सोनम वांगचुक ने आंदोलन के समर्थन में 26 दिन की भूख हड़ताल की। अंततः 25 जुलाई 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया और सरकार ने आंदोलनकारियों की अन्य मांगें भी स्वीकार कर लीं। जेन जी के आंदोलनों की विशेषता सोशल मीडिया, डिजिटल नेटवर्क और त्वरित जनसंचार का प्रभावी इस्तेमाल है। विकेंद्रीकृत नेतृत्व ने युवाओं को तेजी से जोड़ा, जो पारंपरिक दलों की केंद्रीकृत राजनीति से भिन्न है, और भविष्य में दलों की कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीतियों व सामाजिक– आर्थिक विमर्श को प्रभावित कर सकता है। जेन जी का प्रभाव केवल युवाओं तक सीमित नहीं दिखताय प्रौढ़ मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं को प्रभावित करने की उसकी क्षमता सत्तारूढ़ दलों के लिए भविष्य की बड़ी राजनीतिक चिंता बन सकती है।

आल्हा/वीर छंद
मिट जाये जीवन के द्वंद।

देश प्रेम मन बहती गंगा, मिट जाएं जीवन के द्वंद।
लोभी मन तो रोता पग– पग, काम क्रोध के प्रतिदिन फंद।।
याद शहीदों को करते हैं, भारत के हर वीर जवान।
भगत राजगुरु सुखदेव सभी, ये हैं भारत माँ की शान।।

वीर बोस पंजाब केसरी, और शहीदों में आजाद।
देश भक्ति थी उनके मन में, धरती अब तक है आबाद।।
खुदीराम बालक छोटा था, क्रांति वीर की बना मिशाल।
प्रेम शांति का दीपक बनकर, ज्योति जलाएं माँ के लाल।।

आज जरूरत है हम सबको, चलो उठा लो अब तलवार।
एक वार दुश्मन करता जो, हम कर देंगे टुकड़े चार।।
याद करें हम उन वीरों को, और लगा दें अब ललकार।
जय हिंद कहें ऐसे मिलकर, गूँज उठे सारा संसार।।

उमा मिश्रा प्रीति

दलित होने पर खड़गे का अपमान

मैं इस बात को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता। मैं वर्षों से इस सदन (राज्यसभा) का सदस्य हूं और निचले सदन में भी रहा। मैंने कभी किसी से यह नहीं कहा कि मैं दलित हूं, मेरी रक्षा करो और न ही किसी के सामने गिड़गिड़ाया। मुझ में लड़ने की

शक्ति है और मैं लड़ता हूं। लेकिन हल्द्वानी में मंच का शुद्धिकरण कर मुझे छुआछूत का एहसास कराया गया और मेरा अपमान किया गया। ये शब्द कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हैं। गौरतलब है कि आठ अगस्त को श्री खड़गे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक सभा को संबोधित किया था, इसके बाद हिंदूवादी संगठनों ने उस मंच का शुद्धिकरण किया, क्योंकि श्री खड़गे दलित मूल के हैं। खड़गे जी नौ बार विधायक और पांच बार के सांसद हैं। जब भाजपा द्वारा पोषित घृणित जातिवादी और धर्मांध राजनीति दलित होने पर उनका अपमान कर सकती है, तो समझा जा सकता है कि देश में आज भी दलितों की क्या दुर्दशा है। भाजपा के शासनकाल में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अपमान का यह सिलसिला लगातार चल रहा है। अखिलेश यादव मई 2024 में कन्नौज के बाबा गौरी शंकर महादेव मंदिर में दर्शन करने गए, तो उसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसका शुद्धिकरण किया था। राजस्थान में अप्रैल 2025 में अलवर में एक राम मंदिर में कांग्रेस नेता टीकाराम जूली के जाने के बाद, भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा ने गंगाजल छिड़क कर मंदिर का श्शुद्धिकरणश किया था। ऐसे दर्जनों मामले हैं, जहां इसी तरह सवर्ण हिंदू श्रेष्ठता के चलते दलितों का अपमान किया जाता है। दलितों के मूंछ रखने से लेकर विवाह में घोड़ी चढ़ने तक आज भी उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। मुसलमानों पर अत्याचार की खबरें तो अब इतनी आम हो चुकी हैं कि जनसामान्य इन पर विचलित ही नहीं होता। यह बात भी ध्यान रखनी चाहिए कि संसद के नए भवन के उद्घाटन का मौका हो या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति वहां मौजूद नहीं थीं। क्यों नहीं थी, इस सवाल का जवाब भाजपा ही बेहतर देगी। उसका चाल, चरित्र और चेहरा दलित, आदिवासी, पिछड़ा विरोधी है, यह बार–बार जाहिर होता है। दो दिन में देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ मनाएगा। लेकिन क्या जातिवादी और धर्मांध राजनीति से देश को आजादी मिल पाएगी, यह सवाल बना हुआ है। भाजपा के लिए तो यही सुविधाजनक है कि लोग धर्म और जाति के झगड़ों में फंसे रहें ताकि शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, पानी, रोजगार जैसे अहम विषयों पर सरकार को काम ही नहीं करना पड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान तो चलाया ही हुआ है, इसके साथ ही संसद में वंदेमातरम का पूरा गान भी कर लिया। ध्यान रहे कि अब तक वंदेमातरम के शुरुआती दो अंतरों को ही आधिकारिक तौर पर राष्ट्रगीत के रूप में गाया जाता था। क्योंकि शुरुआती दोनों अंतरों में मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि का वर्णन है। रवीन्द्रनाथ ठाकुर का ही सुझाव था कि केवल शुरुआती पद लिए जाएं, क्योंकि इनमें धर्मनिरपेक्ष और सार्वभौमिक अभिव्यक्ति है। जबकि बचे हुए चार छंदों में हिंदू देवी–देवताओं (जैसे दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती) का स्पष्ट रूप से आह्वान और स्तुति की गई है। 79 बरस तक यही वंदेमातरम देश में गूंजता रहा और इस पर कोई राजनीति नहीं हुई। बेशक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई बार पूरे गीत को गाने पर जोर देता रहा और नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में संघ के इस एजेंडे को भी पूरा करके दिखा दिया।

हालांकि विडंबना यह है कि वंदेमातरम का पूरा गान संसद में करवाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सदन में रुकने की हिम्मत नहीं दिखा सके। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान केवल गाए नहीं जाते हैं, इनका असली मर्म तो तभी जाहिर होता है जब आपकी देशभक्ति कार्यों में परिणत हो। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का कार्य सदन में आकर विपक्ष के साथ चर्चा को आगे बढ़ाना होता है। मगर पूरे मानसून सत्र में मोदी और शाह सदन में नहीं आए, इनकी वजह से सदन रोजाना ठप्प हुए, महज 15 घंटे काम हुआ। गुरुवार को सत्र के आखिरी दिन अपनी पूरी केबिनेट के साथ मोदी–शाह लोकसभा में आए भी तो वंदेमातरम सुनकर चले गए, महज तीन मिनट में ओम बिड़ला ने सूचना दे दी कि सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होता है।

जबकि राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने दलित होने की वजह से हुए उनके अपमान का मुद्दा सामने रखा तो जे पी नड्डा केवल इतना कह पाए कि खड़गे जी ने जो कहा वह वाकई दुखद है– न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए बल्कि हम सबके लिए. ..हम इसकी जांच करेंगे। मैं इसकी निंदा करता हूं। राष्ट्रीय अध्यक्ष इस मामले को देखेंगे। हम सभी को बहुत खेद है कि आपकी भावनाएं आहत हुईं। कितने सतही तरीके से जे पी नड्डा ने दलित उत्पीड़न के एक मामले पर प्रतिक्रिया दी है। जबकि बुधवार शाम से यह खबर सामने आ गई थी। भाजपा को भी इसकी खबर रही होगी, उत्तराखंड में भाजपा की ही सरकार है, तो अपेक्षित था कि वहां स्वतरू संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया जाता। मगर ऐसा नहीं हुआ, कांग्रेस को मामला दर्ज करने की मांग करनी पड़ी। श्री नड्डा ने तो फिर भी अपमान के लिए दुख जताया, मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई अफसोस इस बात पर प्रकट नहीं किया कि संसद में उनके वरिष्ठ, वयोवृद्ध साथी और प्रमुख विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष के साथ ऐसा हुआ है। मोदी शासनकाल में जितनी बार समाज के कमजोर तबकों का उत्पीड़न या अपमान हुआ है, मोदी ने कभी आगे बढ़कर इसके लिए न अफसोस जताया और न माफी मांगी। इस बार चुनावी मौसम में भाजपा नेताओं का जब किसी दलित के घर खाना खाते हुए वीडियो सामने आए, तो समाज याद रखे कि मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ क्या किया गया है।

निहारिका एनएम का खुलासा, इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

निहारिका एनएम फिल्म श्भाई तेरा स्टार हैश से बॉलीवुड डेब्यू करने को तैयार हैं। इस बीच उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम श्बिग माउथ सीजन 7श में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म श्पेरुसुश से हुई थी। इसके बाद उन्होंने श्मित्रा मंडलीश और श्इधयम मुरलीश में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। इंटीमेट सीन को लेकर चौंकाने वाला खुलासा निहारिका एनएम फिल्म श्भाई तेरा स्टार हैश से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म श्भाई तेरा स्टार हैश में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव–इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। हीरो की शर्त के चक्कर में छोड़नी पड़ी फिल्म निहारिका के मुताबिक, श्मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता हैश। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, श्एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया थाश। निहारिका ने आगे कहा, श्मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन–स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वहश। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी। निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। फिल्मों में आने के बारे में न्यूज18 से बातचीत में उन्होंने बताया, श्जब मैं तीन–चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, श्मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी। मुझे नहीं पता था कि यह कहां तक जाएगा या मैं असल में क्या करना चाहती हूं। बस इतना पता था कि मुझे इसमें मजा आता है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूंश। हालांकि, बाद में उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने का विचार छोड़ दिया और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऑडिशन देने पर फोकस किया। इसके पीछे की वजह उन्होंने हिंदी सिनेमा में अवास्तविक ब्यूटी स्टैंडर्ड्स को बताया। इस बात का अब तक है अफसोस निहारिका ने कहा, श्मैंने पहले हिंदी फिल्मों में कोशिश की थी, लेकिन मुझे महिलाओं के लिए तय किए गए मानक पसंद नहीं आए। जैसे कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए या उनकी स्किन टोन कैसी होनी चाहिएश। निहारिका कहती हैं, श्मुझे लगा कि यह वह जगह नहीं है, जहां मुझे मुकाबला करना चाहिए। यह बहुत भीड़–भाड़ वाली जगह भी थीश। इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस, श्स्टोन बेंच फिल्म्सश के साथ तीन फिल्मों का करार किया। निहारिका बताती हैं, श्लेकिन उनके साथ ट्रेनिंग के दौरान, मैंने साउथ की कुछ बहुत अच्छी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की। मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ। मैं कॉन्ट्रैक्ट से बंधी हुई थी। मुझे इसका बहुत अफसोस रहेगा, लेकिन जिन लोगों ने वे फिल्में कीं, उनके लिए मैं खुश हूं। फिर, एक बार जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया, तो मुझे कोई रोक नहीं पाया। फिर तो मैंने अलग–अलग भाषाओं की फिल्मों में जमकर काम कियाश।कंटेंट क्रिएशन में झंडे गाड़ने के बाद निहारिका एनएम अब फिल्मों में अपने कदम जमा रही हैं. वो अब राघव जुयाल संग फिल्म श्भाई तेरा स्टार हैश से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं. उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म 30 जुलाई को रिलीज होगी. मगर इससे पहले उन्होंने एक बड़ा खुलासा कर दिया है. बोल्ड सीन्स को लेकर क्या बोलीं निहारिका? संग बातचीत में निहारिका एनएम ने एक बड़ा सीक्रेट खोला है. उन्होंने बताया कि यहां तक पहुंचना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था. उन्हें काफी रिजेक्शन भी झेलने पड़े हैं. निहारिका ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा– मुझे फिल्मों से रिजेक्ट किए जाने की कई सारी वजहें थीं. अब इस मोड़ पर आकर ये सब बहुत फनी लगता है. घोड़े पर सवार तेज प्रताप, किया धांसू डांस, स्वैग से मचाया भौकाल एक्ट्रेस ने एक किस्सा याद करते हुए कहा– एक खास फिल्म थी, जो मैं करने वाली थी. फिल्म को एक ऐसे बड़े डायरेक्टर बना रहे थे, जिन्हें देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं. उन्होंने खुद मुझे फिल्म के लिए चुना था. मैंने रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो चुका था. निहारिका ने आगे बताया– कॉन्ट्रैक्ट मेरे घर भेजा गया था और मैंने उस पर साइन भी कर दिए थे. उसमें इंटीमेसी को लेकर एक क्लॉज (शर्त) था. मैंने मेकर्स से साफ कह दिया था कि मैं ऑनस्क्रीन इंटीमेट सीन करने में कंफर्टेबल नहीं हूं. वो इसके लिए तैयार भी हो गए थे और बॉडी डबल के साथ आगे बढ़ने की प्लानिंग बना रहे थे. श्लेकिन फिल्म का लीड एक्टर बॉडी डबल के साथ इंटीमेट सीन करने को तैयार नहीं था. उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी. यह उनका फैसला था. फिर बात श्या तो यह या वोश वाली सिचुएशन बन गई थी.श निहारिका ने कहा कि इस वजह से उन्हें फिल्म से हाथ धोना पड़ा था. हिंदी से पहले साउथ में क्यों मारी एंट्री? बता दें कि हिंदी फिल्मों में एंट्री करने से पहले निहारिका ने साउथ फिल्म में लक आजमाया था. उन्होंने साल 2025 में तमिल फिल्म श्पेरुसुश से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. फिर तेलुगु सिनेमा में कॉमेडी फिल्म श्मित्रा मंडलीश के साथ कदम रखा था. हिंदी से पहले साउथ फिल्मों में काम करने के बारे में एक्ट्रेस ने कहा– मैंने पहले हिंदी फिल्मों में आने की कोशिश की थी, लेकिन यहां महिलाओं के लिए तय किए गए पैमाने मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आए कि उन्हें कैसे दिखना चाहिए, उनकी रंगत कैसी होनी चाहिए. मुझे पहले यहां स्ट्रगल करने की जरूरत महसूस नहीं हुई थी. एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस श्स्टोन बेंच फिल्म्सश के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था. इसपर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा–लेकिन उनके साथ मेरी ट्रेनिंग के बीच ही मैंने कई बेहतरीन फिल्में ठुकराई थीं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया।

भोपाल से मुंबई तक अन्नू कपूर का सफर संघर्षों से भरा रहा। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार चलाने के लिए उन्होंने चाय बेची, चाट का ठेला लगाया, लॉटरी टिकट बेचे और ऑटो रिक्शा चलाया। गरीबी ने उनका आईएएस बनने का सपना छीन लिया, लेकिन अभिनय ने नई पहचान दिलाई। जेब में सिर्फ 419 रुपए 25 पैसे लेकर मुंबई पहुंचे अन्नू कपूर को चेहरे की वजह से रिजेक्ट किया गया, लेकिन अपनी प्रतिभा के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर साबित किया कि असली हीरो चेहरा नहीं, हुनर होता है। आज की सक्सेस स्टोरी में जानते हैं अन्नू कपूर के करियर और निजी जीवन से जुड़ी बातेंश गरीबी ने छीन लिया आईएएस बनने का सपना 20 फरवरी 1956 को भोपाल के एक साधारण परिवार में जन्मे अन्नू कपूर का बचपन आर्थिक परेशानियों में बीता। उनके पिता मदनलाल कपूर पारसी थिएटर चलाते थे, जबकि मां कमल शबनम क्लासिकल गायिका और शिक्षिका थीं। घर में कला का माहौल था, लेकिन आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि दो वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। अन्नू कपूर पढ़ाई में अच्छे थे और उनका सपना आईएएस अधिकारी बनने का था, लेकिन परिवार की हालत ने उन्हें यह सपना छोड़ने पर मजबूर कर दिया। अन्नू कपूर के दादा ब्रिटिश आर्मी में डॉक्टर थे, जबकि परदादा लाला गंगाराम कपूर एक क्रांतिकारी थे, जिन्हें भारत की आजादी की लड़ाई के दौरान फांसी दे दी गई थी। अन्नू कपूर के दादा ब्रिटिश आर्मी में डॉक्टर थे, जबकि परदादा लाला गंगाराम कपूर एक क्रांतिकारी थे, जिन्हें भारत की आजादी की लड़ाई के दौरान फांसी दे दी गई थी।

टीवी सीरियल्स में हर दिन नए ट्विस्ट और ड्रामे देखने को मिलते हैं. आने वाले एपिसोड्स में अनुपमा, वसुधा, गंगा माई की बेटियां, तुम से तुम तक और क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 की कहानी में कई बड़े बदलाव होने वाले हैं. कहीं रिश्तों में टकराव बढ़ेगा तो कहीं पुराने राज खुलकर सामने आएंगे. आइए जानते हैं इन पांचों टीवी शोज के अपकमिंग एपिसोड में क्या खास देखने को मिलेगा. गंगा माई की बेटियां जी टीवी के पॉपुलर शो गंगा माई की बेटियां में इंदु रानी के बेनकाब होने के बाद गंगा माई और दुर्गावती के बीच टकराव और बढ़ने वाला है. इंदु की गिरफ्तारी के बाद जहां गंगा माई को नई शुरुआत मिलेगी, वहीं दुर्गावती की नाराजगी अब भी बरकरार रहेगी. स्नेहा अपनी मां के लिए नया फूड स्टॉल शुरू करवाएगी, जिससे गंगा माई खुश नजर आएंगी. दूसरी तरफ, दुर्गावती और स्नेहा के बीच तीखी बहस देखने को मिलेगी. वहीं, साहिबा जी को भी गुंडागर्दी छोड़ मेहनत के रास्ते पर चलने की सलाह दी जाएगी. तुम से तुम तक टीवी शो तुम से तुम तक में वर्धन परिवार के सामने एक बड़ा राज खुलने वाला है. आर्या और झेंडे के पुराने काले अतीत से जुड़ा एक सीक्रेट लेटर अचानक अनु के हाथ लग सकता है। जिससे दोनों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी. वहीं, मीरा और मानसी मिलकर अनु को आर्या की जिंदगी से दूर करने की साजिश रचेंगी. मीरा यश को फंसाने के लिए एक झूठा आरोप लगाने की कोशिश करेगी, जिससे परिवार में नया विवाद खड़ा हो जाएगा. दूसरी तरफ, आर्या और अनु के रिश्ते में भी गलतफहमियां बढ़ती नजर आएंगी. क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 स्मृति ईरानी के शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में शांतिनिकेतन में बड़ा ड्रामा देखने को मिलेगा. तृप्ति विरानी की अचानक एंट्री से विरानी परिवार में हलचल मच जाएगी।

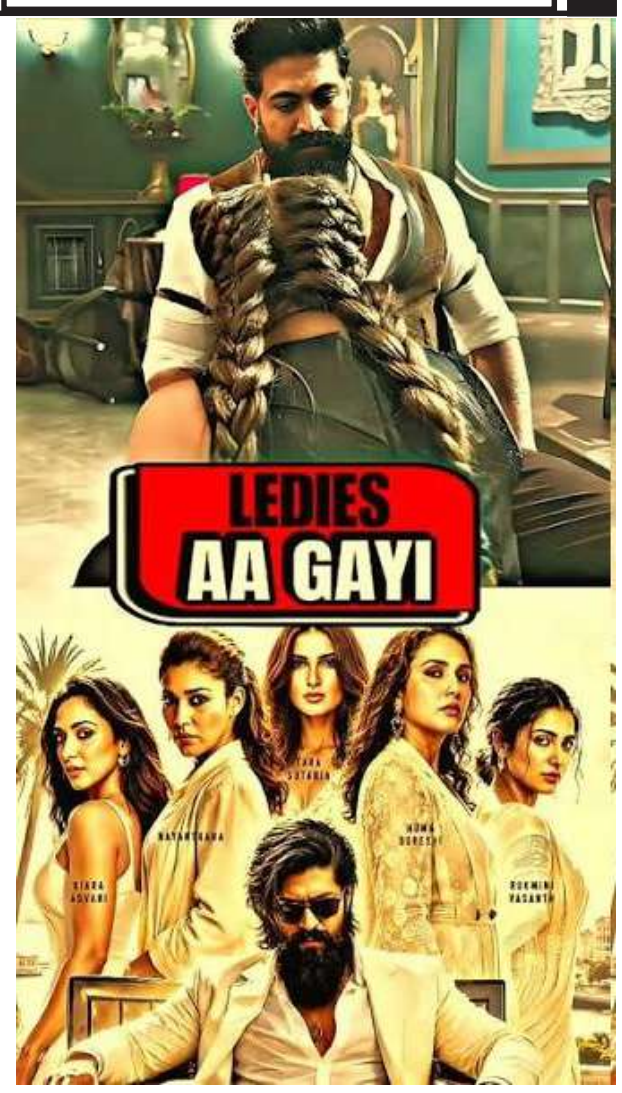

टॉक्सिकः ट्रेलर की ये 5 डिटेल्स दे सकती हैं फिल्म की बड़ी कहानी के क्लूज का हिंट

ब्लिंक–एंड–यू–मिस–इट डिटेल्स से लेकर ऐसे मोमेंट्स तक, जो फिल्म की बड़ी कहानी की तरफ इशारा कर सकते हैं, टॉक्सिक अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स का ट्रेलर अपने अंदर काफी कुछ समेटे हुए है। रॉकिंग स्टार यश डबल रोल में नजर आ रहे हैं और ट्रेलर में उनके दो बिल्कुल अलग अवतारों की झलक देखने को मिलती है। साथ ही, किरदारों और उनके आपस में जुड़े अतीत को लेकर कई क्लूज भी छोड़े गए हैं। आइए नजर डालते हैं ऐसे ही 5 फ्रेम्स पर, जिन्हें थोड़ा गौर से देखने की जरूरत है,

बच्चे और चाकू वाला रहस्यमयी फ्रेम

ट्रेलर में एक ऐसा डिस्टर्बिंग फ्रेम दिखाई देता है, जिसमें एक शख्स बच्चे को गोद में लिए नजर आता है और उसी दौरान उस पर चाकू से हमला होता दिखता है। बच्चे के ऊपर खून के छींटे भी नजर आते हैं। यह छोटा सा सीन कई सवाल खड़े करता है। क्या गोद में नजर आ रहा बच्चा राया है या टिकट? संभव है कि यह झलक फिल्म के किरदारों के अतीत और कहानी की बड़ी मिस्ट्री से जुड़ा कोई अहम क्लू हो।

टिकट का हैरान करने वाला ट्रांसफॉर्मेशन

ट्रेलर की सबसे खास डिटेल्स में से एक यश का टिकट के रूप में नजर आना है। इस अवतार में उनका लुक और बॉडी लैंग्वेज काफी अलग दिखाई देती है। क्लीन–शेव्ड लुक और बदला हुआ अंदाज उन्हें लगभग पहचान से बाहर कर देता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म में यश के डबल रोल की कहानी कितनी अहम हो सकती है और टिकट का किरदार राया से किस तरह अलग है।

कई कहानियों का टकराता हुआ 'कैओस'

'टॉक्सिक' के ट्रेलर में एक साथ कई किरदार, रिश्ते और संघर्ष दिखाई देते हैं। अलग–अलग पैरलल स्टोरीलाइन्स धीरे–धीरे एक–दूसरे से जुड़ती हुई नजर आती हैं। इन झलकियों से फिल्म की दुनिया में कॉन्फ्लिक्ट, धोखे और साजिश का बड़ा जाल बनने का संकेत मिलता है। हालांकि इन सभी कड़ियों का असली कनेक्शन फिल्म रिलीज होने के बाद ही सामने आएगा।

यश और नयनतारा के बचपन का कनेक्शन

ट्रेलर में यश और नयनतारा के किरदारों के बचपन की छोटी सी झलक भी दिखाई देती है। यह सीन उनके मौजूदा रिश्ते के पीछे छिपे किसी गहरे अतीत की ओर इशारा कर सकता है। क्या दोनों का रिश्ता भाई–बहन का है? क्या बचपन में उनके बीच कोई ऐसा हादसा हुआ जिसने उनकी जिंदगी बदल दी? ट्रेलर इन सवालों के जवाब नहीं देता, लेकिन उनकी कहानी में अलगाव, संघर्ष और सर्वाइवल की अहम भूमिका होने का संकेत जरूर देता है।

प्यार, धोखे और चाहत के बीच उलझे रिश्ते

यश, कियारा आडवाणी और तारा सुतारिया के किरदारों के बीच ट्रेलर में एक इंटेंस और इमोशनल डायनैमिक देखने को मिलता है। इन रिश्तों में प्यार के साथ–साथ लॉयल्टी और बिट्रेयल की झलक भी नजर आती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि कौन किसके साथ खड़ा है और कौन अपने प्यार के खिलाफ जाने को मजबूर होगा? ट्रेलर के ये पल फिल्म की कहानी में रिश्तों और भावनाओं के बड़े टकराव की ओर इशारा करते हैं।

26 अगस्त को खुलेगी 'टॉक्सिक' की दुनिया

ट्रेलर में दिखाई गई ये सभी डिटेल्स फिलहाल सिर्फ संभावित क्लूज और उनकी व्याख्याएं हैं। फिल्म की असली कहानी और इन फ्रेम्स का कनेक्शन सिनेमाघरों में ही सामने आएगा। रॉकिंग स्टार यश की 'टॉक्सिकरू अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स' 26 अगस्त 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। अब देखना होगा कि ट्रेलर में छिपे ये छोटे–छोटे संकेत फिल्म के बड़े राजों से कितना जुड़ते हैं।

स्ट्रेटनिंग के बाद बालों की इन तरीकों से करें देखभाल, ऐसे नहीं होगा हेयर डैमेज

हमारी खूबसूरती को बढ़ाने में सबसे अहम भूमिका बालों की होती है। लेकिन कई बार जाने–अनजाने में हम बालों को नुकसान पहुंचा देते हैं। कॉलेज जाना हो या ऑफिस हम सभी स्टाइलिश दिखने के लिए बालों को स्ट्रेट करते हैं। बहुत से लोगों के लिए बालों को स्ट्रेट करना आम बात होती है। लेकिन बता दें कि बाल स्ट्रेटनिंग से जुड़ी कई ऐसे महत्वपूर्ण बातें होती हैं, जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में बाद में सिर्फ पछतावा रह जाता है। इसलिए बालों को स्ट्रेट करने से पहले हमें कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे बालों को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

ऑइलिंग है जरूरी

बालों को मजबूती देने के लिए तेल सबसे ज्यादा जरूरी होता है। तेल हमारे बालों को नरिश करने के साथ ही जड़ों को भी मजबूत बनाने के काम करता है। आप चाहें तो हेयर स्ट्रेटनिंग से पहले बालों में थोड़ी सी ऑयलिंग कर सकती हैं। इससे आपके बाल एक्स्ट्रा हीट से बचे रहेंगे और उन्हें नुकसान भी नहीं पहुंचेगा। बालों पर ज्यादा तेल लगाने से यह चिपचिपे हो जाते हैं लेकिन अगर सही मात्रा में आप बालों में तेल लगाती हैं, तो यह बालों को शाइन देने का काम करता है, साथ ही बालों की खूबसूरती को बढ़ाता है।

सीरम करें अप्लाई

जब भी हम अपने बालों को स्ट्रेट करें या कर्ल करते हैं, तो यह जरूर चाहते हैं कि बाल जले या अजीब से नजर न आएं। इसके लिए सबसे बढ़िया ऑप्शन सीरम होता है। आपके बालों को सिल्की और स्मूथ बनाने के लिए मार्केट में कई तरह के सीरम उपलब्ध होते हैं। हल्के गीले बालों पर सीरम अप्लाई करने से यह पूरा दिन सेट रहते हैं। बता दें कि सीरम फ्रिजी बालों को भी सेट रखता है और इससे बाल भी कम डैमेज होते हैं।

कंडीशनर का इस्तेमाल

अक्सर शैंपू के बाद हम सभी के बाल उलझे–उलझे नजर आते हैं और सूखने के बाद यह फ्रिजी हो जाते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप शैंपू करने के बाद बालों में कंडीशनर जरूर अप्लाई करें। कंडीशनर आपके बालों को प्रोटेक्टिंग लेयर ढकने का काम करता है, इससे आपके बाल स्मूथ हो जाते हैं। वहीं जब आप बालों को स्ट्रेट करते हैं, तो कंडीशनर आपके बालों को डैमेज होने से बचाता है। बता दें कि कंडीशनर आपके बालों को लंबे समय के लिए अच्छा बनाए रखता है।

हेयर प्रोटेक्टर है अच्छा ऑप्शन

ब्यूटी और फैशन इंडस्ट्री में सीरम की तरह कई सारे प्रोडक्ट्स आ गए हैं। जो आपके बालों की अच्छे से देखभाल करते हैं। उन्हीं में से एक प्रोडक्ट हेयर प्रोटेक्टर है। तेल या फिर स्प्रे और क्रीमी स्ट्रक्चर में यह मिलता है। एक तरह से यह आपके बालों के लिए कवच की तरह काम करता है।

पसीने की बदबू से दूसरों के सामने होती है शर्मिंदगी, जानिए इसका कारण और बचाव का तरीका

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए हमारे शरीर से पसीना आना जरूरी होता है। क्योंकि पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। लेकिन कुछ लोगों के अन्य लोगों की तुलना में अधिक पसीना आता है। ऐसे में ज्यादा पसीना आने पर शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी भी हो सकती है। अगर आपको भी जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, तो इसके पीछे हेल्थ कंडीशन भी हो सकती हैं। बता दें कि अगर आपकी बॉडी से दुर्गंध आती है और पसीना भी ज्यादा आता है, तो इसका मुख्य कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस भी हो सकता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंसुलिन रेजिस्टेंस किस तरह शरीर को करता है। साथ ही कैसे एक डिटॉक्स वॉटर की मदद से इस समस्या से बचा जा सकता है। इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण ब्लड शुगर लेवल में उतार–चढ़ाव होता है। जिसकी वजह से हाइपरग्लाइसीमिया और हाइपोग्लाइसीमिया की समस्या हो जाती है। इस समस्या के होने से स्ट्रेस पैदा होता है और स्ट्रेस अधिक होने पर एड्रेनेलिन हार्मोन रिलीज होता है। इस कारण से पसीना अधिक आता है। ज्यादा पसीना आने से शरीर में गर्म वातावरण पैदा होता है। इससे बैक्टीरिया पनपने की संभावना अधिक होती है। इसी वजह से शरीर से दुर्गन्ध भी आने लगती है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस के लिए डिटॉक्स वॉटर की सामग्री

पानी– 1 लीटर

दालचीनी– 1 स्टिक

बेसिल सीड्स– 1 टीस्पून

कैमोमाइल टी– 1 टी बैग

ऐसे बनाएं

1 लीटर पानी के साथ एक गिलास जार में सभी इंग्रिडिएंट्स को मिक्स करें।

अब इसे 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

फिर इस पानी को पूरा दिन में धीरे–धीरे पिएं।

इंसुलिन रेजिस्टेंस को सुधारने में मदद

बता दें कि दालचीनी में सिनामाल्डिहाइड पाया जाता है। यह इंसुलिन सेंसटिविटी को सुधारने में मददगार होता है।

वहीं बेसिल सीड्स में घुलनशील फाइबर पाया जाता है। यह ब्लड शुगर लेवर को रेगुलेट करने में सहायक होता है।

हर चीज में नमक डालकर खाने के शौकीन हो जाएं सावधान! हार्ट अटैक का हो सकते हैं शिकार

देश में लगातार हार्ट अटैक के बेंमे में बढ़ोतरी देखने को मिली है । आजकल किसी भी उम्र के लोगों को दिल का दौरा पड़ रहा है। वैसे तो हार्ट डिजीज बढ़ने के कई से कारण है, जैसे खराब लाइफस्टाइल और जंक फूड पर क्या आपको पता है कि नमक के चलते भी दिल की बीमारियां बढ़ रही है। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने। अगर नमक में सोडियम की मात्रा ज्यादा है तो इससे हार्ट को नुकसान पहुंचता है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है और साथ में नमक को कम मात्रा में खाने की भी सलाह दी है।

क्या कहती है डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि नमक में सोडियम की मात्रा को 30 प्रतिशत तक कम करने की जरुरत है। सोडियम से ज्यादा मात्रा होने से हार्ट प्राब्लम की चपेट में आना और हार्ट अटैक पड़ने का खतरा भी बढ़ जाता है। हालांकि अभी भारत ने इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया है। कई लोगों के मन में सवाल होगा की सोडियम में हार्ट हेल्थ का क्या संबंध? आइए आपको बताते हैं इसके बारे में विस्तार से....

ज्यादा नमक है सेहत के लिए हानिकारक

एक्सपर्ट्स का कहना है कि हार्ट में कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। नमक ज्यादा खाने से हाइपरटेंशन यानी हाई बीपी हो जाता है। इससे हार्ट की धमनियों में बल्ड का सर्कुलेशन काफी तेज हो जाता है। इस वजह से हार्ट पर असर पड़ता है और दिल का दौरा पड़ने का खतरा रहता है। इसी वजह से लोगों को नमक की मात्रा कम करने की सलाह दी जाती है। हार्ट के मरीजों को तो कम से कम नमक खाने की सलाह दी जाती है।

रोजना इतनी मात्रा में ही खाएं सोडियम

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पूरी दुनिया भर में लोग हर दिन 10.8 ग्राम तक सोडियम खाते हैं। वहीं की लोगों को सलाह है कि हेल्दी हार्ट के लिए हर दिन 5 ग्राम से ज्यादा सोडियम ना खाएं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऐसे राज्यों का सोडियम स्कोरकार्ड बनाया है जिन्होंने सोडियम के प्रकार और उसके घटाने की संख्या पर काम किया है। स्कोरकार्ड में उन देशों का पता लगाया गया है जिन्होंने राष्ट्रीय नीति के तहत सोडियम की मात्रा घटाने को लेकर काम किया है। उन्हें स्कोर में 1 दिया गया है। वहीं ऐसे देश जिन्होंने सोडियम की मात्रा घटाने को लेकर कड़ाई से काम और लोगों को जगरुक करने का काम किया है, उन्हें स्केर में 2 दिया गया है। वहीं ऐसे देश जिन्होंने सोडियम की मात्रा घटाने को लेकर कोई एक कदम उठाए हों या पहले से पैक खाने के आइटम में सोडियम की मात्रा डालना अनिवार्य कर दिया हो उन्हें स्कोर में 3 दिया गया है। भारत को इस स्कोरकार्ड में 2 दिया गया है।

इन टिप्स की मदद से घर पर बनाएं रेस्टोरेंट जैसे क्रिस्पी फ्रेंच फ्राइज, बच्चे–बड़े खाकर करेंगे तारीफ

अगर आपको भी नाश्ते में कुरकुरे आलू खाना पसंद है, तो आपके लिए फ्रेंच फ्राइज शानदार विकल्प हो सकता है। लेकिन समस्या यह रहती है कि फ्रेंच फ्राइज जब हम घर पर बनाते हैं, तो इनमें बाहर जैसा स्वाद नहीं होता है। लाख प्रयासों के बाद भी यह फ्राइज क्रिस्पी बिल्कुल भी नहीं बन पाते। ऐसे में मजबूरन हमें फ्रेंच फ्राइज रेस्टोरेंट से ऑर्डर करने पड़ते हैं। क्योंकि रेस्टोरेंट के फ्रेंच फ्राइज काफी ज्यादा क्रिस्पी होते हैं। लेकिन अब आपको फ्रेंच फ्राइज रेस्टोरेंट से ऑर्डर करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स साझा करने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप घर पर बेहद आसानी से क्रिस्पी फ्रेंच फ्राइज तैयार कर सकती हैं। हालांकि इन्हें बनाने के दौरान आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होगा।

आलू को बराबर काटें

बता दें कि यह बहुत बेसिक गलती है। अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं। अगर आपने छोटे–बड़े या मोटे–पतले फ्राइज काटे हैं, तो यह अच्छे से फ्राई नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा आलू का चुनाव भी ध्यान व सावधानी से करना चाहिए। बहुत ज्यादा छोटे व बहुत ज्यादा बड़े आलू को काटने से बचना चाहिए। आलू के एक भाग को लंबाई में 1/4 से 1ध्2 इंच मोटे स्लाइस में काटें। फिर आलू के बाकी बचे हिस्से को भी ऐसे ही काटने की कोशिश करें।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

कई बार जल्दबाजी में आलू को ठंडे पानी में भिगोना ही भूल जाते हैं। लेकिन यह छोटी सी गलती आपकी पूरी मेहनत पर पानी फेर देता है। क्योंकि जब आप फ्राइज को पानी में डालती हैं, तो आलू में मौजूद स्टार्च बाहर निकल जाता है। इसलिए आलू को काटकर इन्हें पानी में भिगोना न भूलें। कटे हुए फ्राइज को कम से कम 30 मिनट तक ठंडे पानी में रखें। फिर इन्हें बाहर निकाल लें। स्टार्च निकलने से यह ज्यादा कठोर हो जाते हैं। अब इनके आपस में चिपकने की संभावना भी न के बराबर होती है।

उपयोग में लाएं चावल का आटा

अगर आप ऐसा सोचते हैं कि सिर्फ आलू को फ्राई करने से फ्राइज बनकर तैयार हो जाते हैं। तो बता दें कि खाली फ्राईज फ्राई करने से न सिर्फ तेल ज्यादा खर्च होता है, बल्कि फ्राइज के ऊपर चिपचिपाहट भी आ जाती है। इसलिए फ्राइज बनाने के दौरान चावल के आटे का इस्तेमाल करना न भूलें। मार्केट में आपको आसानी से चावल का आटा मिल जाएगा। चावल के आटे का इस्तेमाल आलू काटने के बाद किया जाता है। फिर आपको चावल का आटा आलू के ऊपर डालना कर इसे डीप फ्राई कर लेना है।

ट्राई करें ये टिप्स

अगर इन सारे तरीकों के बाद भी आपकी फ्राइज क्रिस्पी नहीं बनते हैं, तो आपको यह काम जरूर करना चाहिए। आप फ्राइज वाले आलू को दो बार फ्राई करें। तब जाकर आलू क्रिस्पी होते हैं। इसके लिए सबसे पहले हल्की आंच पर फ्राइज को पहली बार डीप फ्राई करें। फिर इन्हें एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद दोबारा गैस की फ्लेम तेज कर दें और फ्राइज को कड़ाही में डाल दें। डीप फ्राई करने पर आपकी फ्राइज क्रिस्पी हो जाएंगी।कई बार फ्राइज में बहुत ज्यादा तेल भर जाता है। इसके लिए आप फ्राइज को फ्रिज से निकालने के बाद इन्हें डीप फ्राई न करें। क्योंकि ऐसा करने से इनका स्वाद भी बेकार हो जाता है और तेत की भी ज्यादा खपत होती हैं। इसलिए सबसे पहले तेज आंच पर गर्म तेल में आलू को हल्का ब्राउन होने तक भूनें। लेकिन इस दौरान समय का ध्यान रखना जरूरी है।

ट्रैकिंग के हैं शौकीन तो दिल्ली एनसीआर में उठाएं इसका लुत्फ, लेपर्ड ट्रेल हो सकता है बेहतरीन ऑप्शन

आजकल कई लोग बेहतरीन–बेहतरीन जगहों पर घूमने के साथ–साथ ट्रैकिंग कर भी शौक रखते हैं। ट्रैकिंग के शौकीन लोग हिमाचल प्रदेश या फिर उत्तराखंड या नॉर्थ ईस्ट के पहाड़ों में पहुंच जाते हैं। अगर आप दिल्ली एनसीआर या दिल्ली में रहते हैं और हिमाचल व उत्तराखंड में सिर्फ ट्रैकिंग का लुत्फ उठाने जाते हैं। इससे समय और पैसा दोनों ही बर्बाद होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन स्थानों पर आप ट्रैकिंग का भरपूर मजा उठा सकते हैं।

लेपर्ड ट्रेल

शायद ही आप इस जगह के बारे में जानते होंगे, अगर आपका जवाब नहीं है तो बता दें कि लेपर्ड ट्रेल बेहद खूबसूरत और फेमस जगह है। जयपुर और गुड़गांव हाइवे के किनारे यह खूबसूरत ट्रेल मौजूद है। अगर आप भी छोटे–छोटे पेड़, छोटे–बड़े पहाड़ और लाल मिट्टी की ट्रेल पर चलना चाहते हैं। तो आपको यहां जरूर जाना चाहिए। सैलानी सबसे ज्यादा मानसून में इस स्थान पर ट्रैकिंग के लिए पहुंचते हैं। अन्य जगहों के पहाड़ों की तरह यहां लैंडस्लाइड का खतरा नहीं रहता है।

अरावली हिल्स

लगभग हर दिल्ली वासी को अरावली हिल्स के बारे में पता होगा। दिल्ली और दिल्ली–एनसीआर के लिए लोगों के लिए अरावली हिल्स एक छिपा हुआ खजाना है। यह पहाड़ी 692 किलोमीटर लम्बी होने के साथ ही आप यहां पर जगह–जगह ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान पर परिपूर्ण अरावली पर्वतमाला फैली हुई है। मानसून में यहां की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

संजय वन

दिल्ली और दिल्ली–एनसीआर में मौजूद सबसे हसीन और बेहतरीन जगह की बात की जाए, तो संजय वन का नाम जरूर लिया जाएगा। करीब 700 एकड़ से भी अधिक एरिया में फैला यह वन ट्रैकिंग के लिए काफी ज्यादा फेमस है। हरे–भरे पेड़ और सुहाने नजारों के बीच आप ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

कालेसर जंगल

हरियाणा के यमुनानगर में मौजूद कलेसर फॉरेस्ट ट्रैकिंग करने वालों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां जंगल के हरे–भरे पेड़–पौधों के साथ ही आपको खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे। यह स्थान साइकिलिंग के लिए फेमस है। इसके अलावा कलेसर फॉरेस्ट जंगली जीव–जंतुओं के लिए भी फेमस है।

संक्षिप्त

खिलाड़ियों में भारी उत्साह

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी इस बार भारत कर रहा है। इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के साथ–साथ फैंस में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। दुनिया के दिग्गजों की मौजूदगी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पीवी सिंधु ने बताया क्यों खास है आयोजन स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने कहा कि भारत में वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होना बेहद खास है। उन्होंने बताया कि 2019 में खिताब जीतने के बाद, लगभग सात साल बाद उन्हें एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करने की उम्मीद है। जापान ओपन के प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सिंधु का कहना है कि वे एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रही हैं और घरेलू दर्शकों के समर्थन का पूरा फायदा उठाकर पदक जीतने का प्रयास करेंगी। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी की प्रतिक्रिया भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इस टूर्नामेंट को सभी खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच मुकाबला करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। भारत में इस चैंपियनशिप का आयोजन होना उनके लिए इसे और भी खास और यादगार बना देता है। थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न भी उत्साहित थाईलैंड के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न ने भारत आने पर अपनी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर भारत आकर बेहद खुश हैं और इस बड़े टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्नति हुड्डा की बढ़ी हुई है उत्सुकता पहली बार वर्ल्ड चौंपियनशिप में भाग ले रहीं भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अपने करियर की पहली वर्ल्ड चौंपियनशिप अपने ही देश में खेलना उनके लिए बेहद रोमांचक है। वे इस प्रतियोगिता का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं और एक बार में एक मैच पर ध यान केंद्रित कर आगे बढ़ना चाहती हैं।

9 विकेट से हराकर रचा इतिहास

बांग्लादेश ने रविवार को यहां दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया। कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेजलवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है। इससे अब चयनकर्ताओं पर 22 अगस्त से क्वींसलैंड राज्य के मैकाय में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव करने का काफी दबाव होगा। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन की शुरुआत चार विकेट पर 161 रन से की लेकिन मेहदी ने 66 रन देकर पांच विकेट लिए और मेजबान टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे दिन के आखिर में स्मिथ का विकेट लेकर उन्होंने मैच को निर्णायक रूप से बांग्लादेश की ओर मोड़ दिया। इस ऑफ स्पिनर ने चौथे दिन पहले एलेक्स कैरी (30) को विकेट के पीछे लिटन दास हाथों कैच कराया और फिर ब्यू वेबस्टर (05) को बोल्ड किया। पैट कमिंस (08) की पारी संक्षिप्त रही। उन्होंने शॉर्ट लेग पर हसन मिराज को कैच दिया जो मेहदी का सुबह का तीसरा विकेट था। उन्होंने नाथन लियोन को एलबीडब्ल्यू आउट करके ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया। इस बीच हसन महमूद ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।

रैंकिंग मायने नहीं रखती

पिछले एक दशक से अधिक समय से पाकिस्तान हॉकी टीम भारत को हरा नहीं सकी है लेकिन कप्तान अबु बकर महमूद को एफआईएच विश्व कप में इस सिलसिले को तोड़ने का यकीन है और उनका मानना है कि चिर प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले में रैंकिंग नहीं बल्कि उस दिन का खेल मायने रखता है। भारत को पाकिस्तान का सामना एफआईएच विश्व कप में 19 अगस्त को होना है। भारत ने पहले मैच में वेल्स को 3 –1 से हराया जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड से 1–4 से हार का सामना करना पड़ा। महमूद ने को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा ,'' मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं कि भारतीय टीम रैंकिंग में हमसे बहुत बेहतर है।

2036 ओलंपिक के लिए देशभर में टैलेंट हंट

गांव–गांव जाकर खेल प्रतिभाओं को तलाशेगी सरकार, पीएम मोदी का बड़ा एलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में 2036 ओलंपिक की तैयारियों को लेकर बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों में खेल प्रतिभा तलाशने के लिए गांव–गांव और स्कूल–स्कूल टैलेंट हंट चलाया जाएगा। प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। भारत अपनी स्वतंत्रता के 80 साल पूरे होने के अवसर पर जश्न मना रहा है। 1947 में मिली आजादी के बाद से हर साल देश का मुख्य समारोह लाल किले पर होता है। आज भी पीएम मोदी ने लाल किले पर ध्वजारोहण करने के बाद परेड की सलामी ली। प्रध ाानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से 13वीं बार देशवासियों को संबोधित करते हुए खेल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों के लिए प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए गांव–गांव टैलेंट हट चलाया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, श्आज भारत खेल की दुनिया में जगह बना रहा है। भारत का राष्ट्रगान आज दुनिया में हर पोडियम में सुनाई देता है। टॉप्स योजना ने इसे काफी बढ़ावा दिया है। खेलो इंडिया गेम्स, स्पोर्ट्स के लिए कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, आदि में युवाओं के लिए काफी जगह बनी है। हम 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर उभर रहे हैं।श खेल की दुनिया में भारत बना रहा अपनी जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत खेल की दुनिया में अपनी जगह बना रहा है। उन्होंने कहा, श्हम अक्सर अपना राष्ट्रगान सुनते हैं और बहुत बार तिरंगे को ऊंचा होते देखते हैं। टॉप्स योजना ने बड़ी सफलता हासिल की है। चाहे खेलो इंडिया गेम्स हों, यूनिवर्सिटी गेम्स, बीच गेम्स, विंटर गेम्स, खेल प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स मेडिसिन या स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।श 2036 ओलंपिक की मेजबानी के मजबूत दावेदार पीएम मोदी ने कहा कि भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है और वह 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, श्ओलंपिक में करीब 40 खेल विधाएं और लगभग 350 स्पर्धाएं होती हैं। यह दुखद है कि हम इनमें से कम से कम दो–तिहाई स्पर्धाओं में हिस्सा तक नहीं ले पाते, क्योंकि हम क्वालिफाई ही नहीं कर पाते।श 2036 तक तीन–चौथाई स्पर्धाओं में भाग लेने का लक्ष्य उन्होंने कहा कि भारत को अपने खेल आधार को व्यापक बनाने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि 2036 ओलंपिक में खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार रहें। कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें विकसित करने के लिए टैलेंट हंट इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा होगा। पीएम मोदी ने कहा, हमने तय किया है कि 2036 में हमें कम से कम तीन–चौथाई स्पर्धाओं में हिस्सा लेना चाहिए। हम पांच से 15 साल की उम्र के बच्चों के लिए देशव्यापी टैलेंट हंट शुरू कर रहे हैं। पांच से 15 उम्र के बच्चों में प्रतिभा ढूंढने के लिए गांव–गांव, स्कूल–स्कूल एक टैलेंट हंट चलाया जाएगा, ताकि देश के हर कोने में प्रतिभाओं की पहचान की जा सके।

वेल्स पर भारतीय हॉकी टीम की शानदार जीत

एम्सटलवीन (नीदरलैंड)। भारत ने हॉकी विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3–1 से हराकर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शुरुआती मैच में जीत के साथ तीन अंक हासिल करना महत्वपूर्ण था और टीम आगे अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने वेल्स के खिलाफ हॉकी विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में 3–1 की जीत पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के पहले मैच में अच्छे अंतर से जीत दर्ज करना और पूरे तीन अंक हासिल करना टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। कप्तान ने जताई खुशी हरमनप्रीत ने मुकाबले के बाद कहा, श्हमने बहुत अच्छा खेला। हमारा लक्ष्य लगातार मौके बनाना और मैच दर मैच गोल करना है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैन ऑफ द मैच कौन है या गोल कौन कर रहा है। टीम के लिए गोल करना जरूरी है।श कप्तान ने कहा कि विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ करना सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा, श्अच्छी जीत के साथ शुरुआत करना जरूरी था। हमने 3–1 से जीत हासिल की और तीन अंक लिए, जो अच्छा नतीजा है।श गलतियों से सीखने पर जोर वेल्स ने मैच के अंतिम मिनटों में गोल कर भारत को क्लीन शीट से वंचित कर दिया। इस पर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अपनी गलतियों से सीख लेगी और आगामी मुकाबलों में उन्हें दोहराने से बचने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, श्हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन वेल्स ने भी अच्छा खेला। यह सिर्फ पहला मैच था और हम भविष्य के मुकाबलों में गलतियां नहीं दोहराने की कोशिश करेंगे।श तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर से भारत ने वेल्स के खिलाफ अपने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। कोच क्रेग फुल्टन लगातार फील्ड गोल पर जोर देते रहे हैं। इस बारे में पूछे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने अच्छा प्रदर्शन किया और कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। उन्होंने कहा, श्हमारी फॉरवर्ड लाइन ने अच्छा प्रदर्शन किया और कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। चाहे खिलाड़ी फील्ड गोल करें या पेनल्टी कॉर्नर हासिल करें, टीम के लिए गोल महत्वपूर्ण हैं।श पदक जीतने को लेकर आश्वस्त विश्व कप से पहले टीम के प्रदर्शन में आए उतार–चढ़ाव को लेकर

हरमनप्रीत ने कहा कि खेल में ऐसा होता रहता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान विश्व कप पर है और खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, अभी टीम का पूरा ध्यान विश्व कप पर है। हम अच्छी फॉर्म में हैं, अच्छी तरह तैयार हैं और पोडियम पर जगह बनाने को लेकर आश्वस्त हैं।

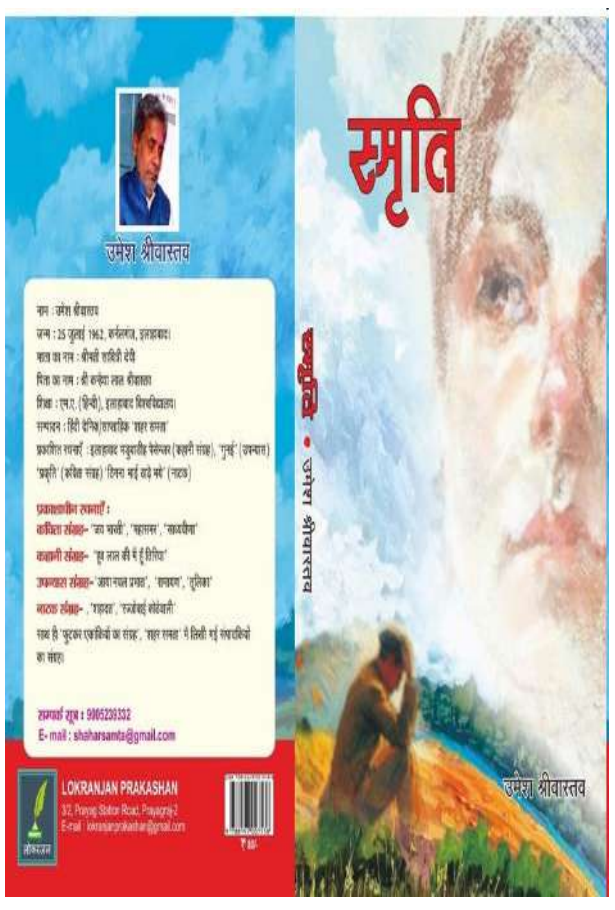

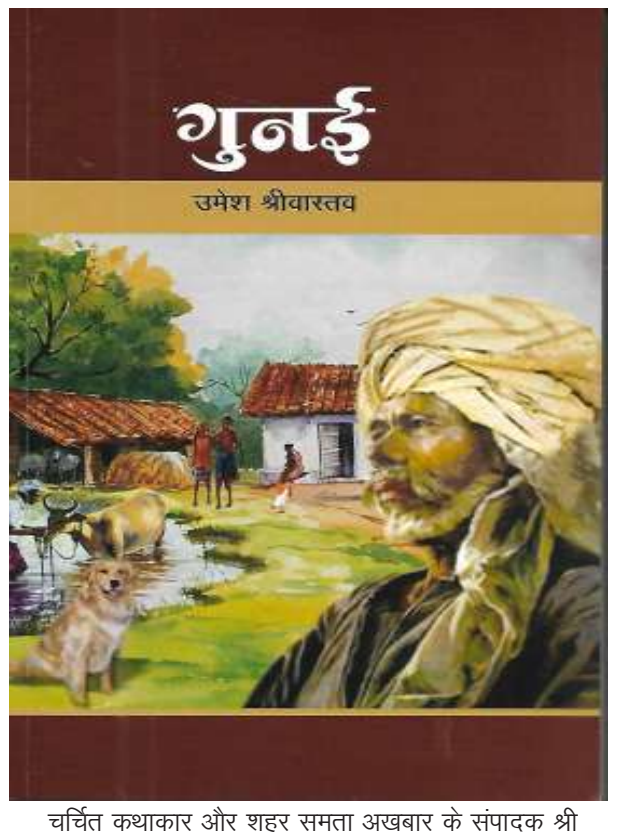

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

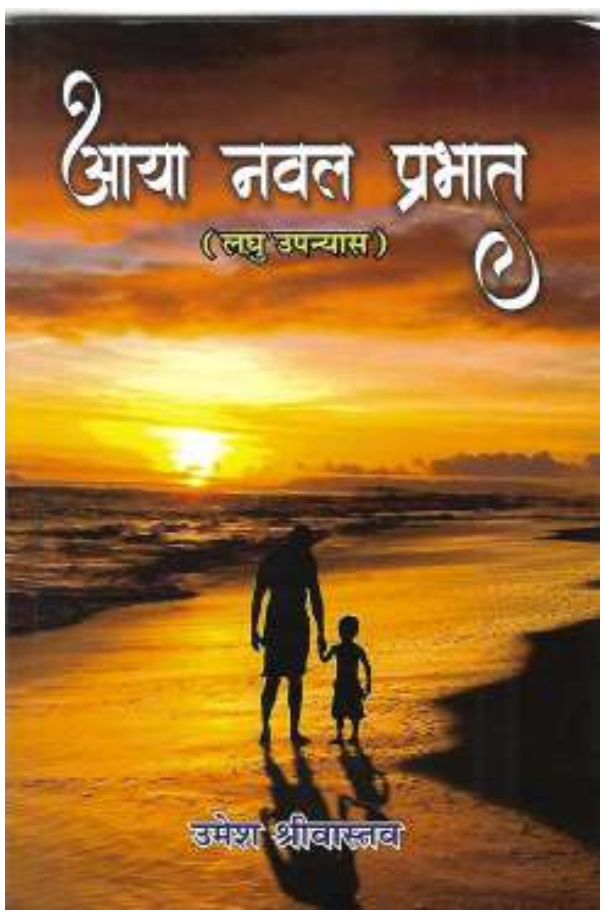

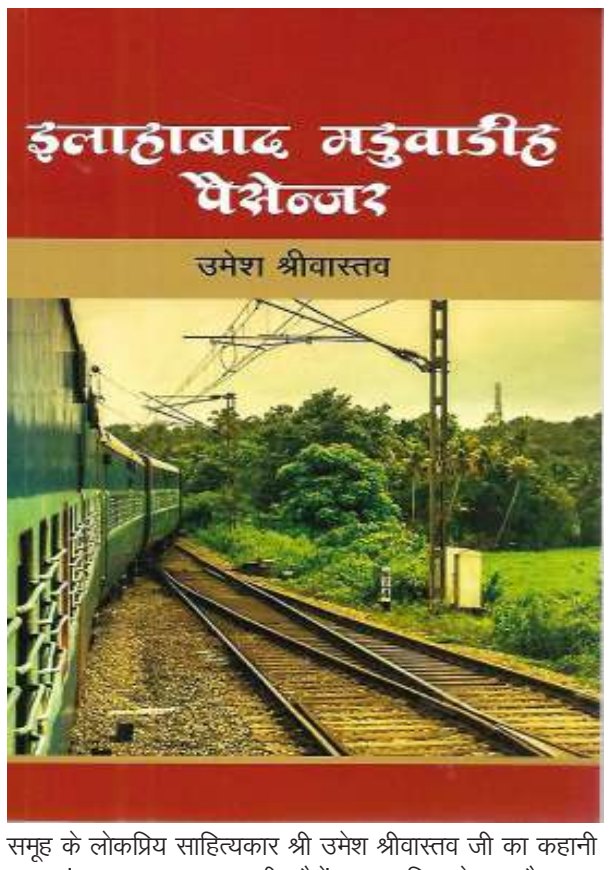

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

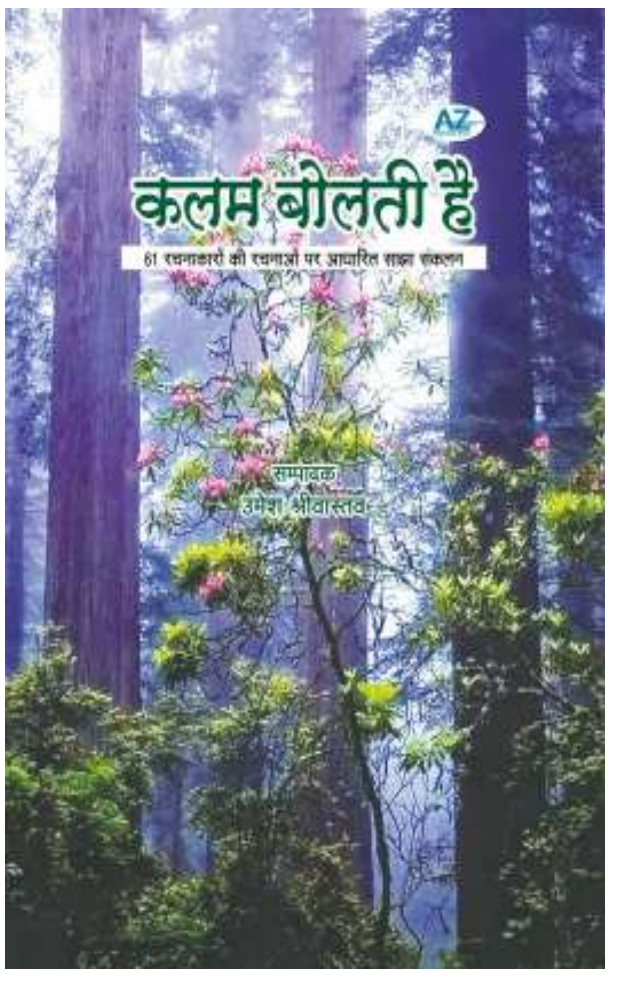

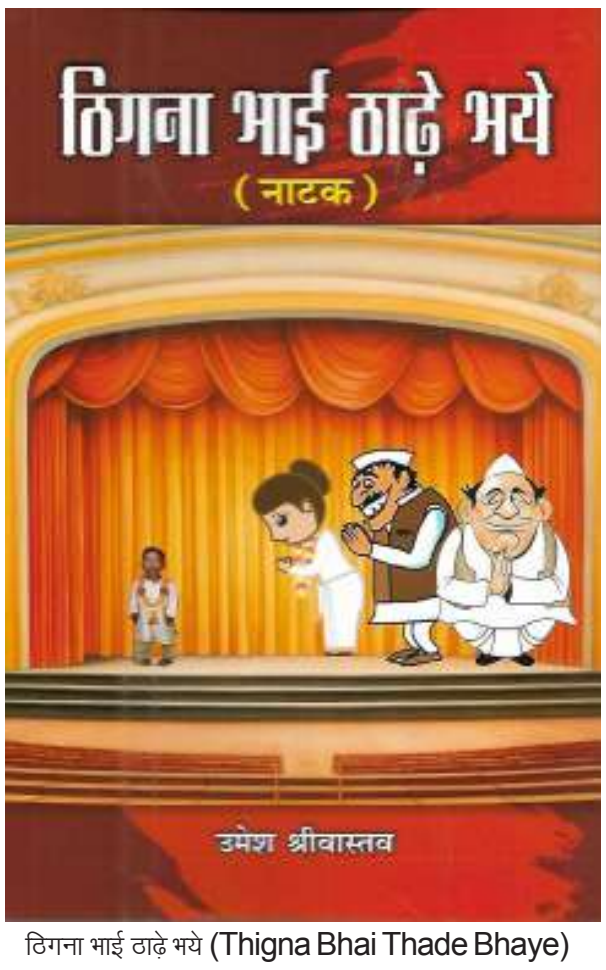

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'हम मुसलमान हैं, हम सहन करते हैं': PAK के हिंदुओं को लेकर आसिफ जरदारी ने क्या कहा? अखंड भारत का भी जिक्र किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए दुनियाभर में बदनाम है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों के गंभीर उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आते हैं और उनकी आबादी में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसके विपरीत दावा किया है। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू भी उतने ही आजाद हैं, जितने किसी और

जगह पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के हिंदू भारत में रहने के बजाय पाकिस्तान में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसे मुसलमान हैं, जिनकी सोच है कि वे हिंदुओं को बर्दाश्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जरदारी ने 14 अगस्त को इस्लामाबाद में यादगार-ए-फतह विजय स्मारक समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। यह समारोह पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ये बातें भारत और पाकिस्तान की सोच में अंतर बताते हुए कहीं। जरदारी ने भारत के श्अखंड भारतश में विश्वास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बीच श्बहुत कुछ ऐसा है, जिसे भारतीय भूल गए हैं।श इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की पहचान एक इस्लामी देश के रूप में बताई। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के प्रति अपने देश के रवैये पर बात करते हुए जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, पाकिस्तान में तीन से चार प्रतिशत हिंदू आबादी है और वे उतने ही आजाद हैं, उतने ही अच्छे हाल में हैं, जितने वे कहीं और थे। इसके बाद जरदारी ने पाकिस्तान के हिंदू लोगों की पसंद को लेकर एक और दावा किया। उन्होंने कहा, वे उनके साथ (भारत) रहने के बजाय हमारे साथ रहना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, भारतीयों की सोच अलग है। उनके दिमाग में अपना एजेंडा है। वे अखंड भारत में विश्वास करते हैं। लेकिन इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे वे भूल गए हैं। इसके बाद जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं। वे नहीं हैं। लेकिन हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम सहन करते हैं।

एंथ्रोपिक CEO की पत्नी का एपस्टीन कनेक्शन ?: कंपनी में निवेश के लिए मांगी मदद, ईमेल से सामने आई पूरी कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई की पत्नी और उनकी करीबी सलाहकार केमी क्लार्क ने कथित तौर पर जेफरी एप्स्टीन से अपनी कंपनी में निवेश कराने की कोशिश की थी। क्लार्क ने अपनी कंपनी को महिलाओं के लिए बनाई गई एक श्रिवोल्यूशनरी एडल्ट एंटरटेनमेंट कंपनीश बताया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट और एप्स्टीन फाइल्स में मिले ईमेल से यह जानकारी सामने आई है। केमी क्लार्क की एपस्टीन से मुलाकात मार्च 2011 में हुई थी। यह मुलाकात लेखकों और किताबों के काम में मदद करने वाले जॉन ब्रॉकमैन ने कराई थी। उस समय तक एपस्टीन का नाम यौन अपराध के मामले में सामने आ चुका था। साल 2008 में

उसे यौन अपराधी और वेश्यावृत्ति के लिए लोगों को उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। ब्रॉकमैन ने क्लार्क और एपस्टीन को रात्रिभोज पर मिलने का सुझाव दिया था। एपस्टीन फाइल्स में मिले ईमेल के मुताबिक, ब्रॉकमैन ने एप्स्टीन से कहा था कि उन्हें क्लार्क और उनकी बिजनेस साझेदार मिशेल कैपोसेफालो के साथ रात्रिभोज पर मिलना चाहिए। जिस ईमेल में क्लार्क का एपस्टीन से परिचय कराया गया था, उसके जवाब में क्लार्क ने लिखा– हम आज शाम आपके साथ रात्रिभोज करना पसंद करेंगे। अगले दिन क्लार्क ने अपनी कंपनी के लिए कितने पैसे की जरूरत है, इसकी जानकारी एप्स्टीन को ईमेल में भेजी। उन्होंने यह भी लिखा– कल रात आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा! इसके कुछ दिन बाद क्लार्क ने अपनी कंपनी की पहली चार फिल्मों की स्क्रिप्ट और कहानी का खाका एपस्टीन को भेजा। उन्होंने कहा कि एपस्टीन को यह कंटेंट श्महिलाओं के साथश पसंद आ सकता है। क्लार्क ने ईमेल में लिखा, श्जेफरी! हमें लगा कि आपको और महिलाओं को हमारी पहली चार फिल्मों, अमेरिकन गर्ल इन पेरिस की स्क्रिप्ट/कहानी पसंद आ सकती है। थोड़ा आपत्तिजनक कंटेंट है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ईरान के पास तैनात USS लिंकन पर सैनिकों के बिगड़े मानसिक हालात, युद्ध पोत से कूदने तक कैसे पहुंची बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका–ईरान के बीच बीते पांच महीने से जारी युद्ध का असर अब पश्चिम एशिया में मौजूद देशों और होर्मुज पर निर्भर देशों से कहीं आगे तक बढ़ चुका है। शुरुआत में अमेरिका पर इस युद्ध का असर सीमित ही था। हालांकि, अब उसके सैनिक इस संघर्ष में बुरी तरह प्रभावित होने लगे हैं। ताजा मामला अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर लगातार खराब होती स्थिति और इसका शिकार हुए हजारों सैन्यकर्मियों से जुड़ा है। दरअसल, पिछले साल नवंबर से ही अमेरिकी सैन्य बंदरगाह से निकलने के बाद यह युद्धपोत जलक्षेत्र में है और अब करीब 250 दिन के बाद इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर खाने की कमी, प्लंबिंग की समस्या और मानसिक थकान की शिकायतें सामने आ रही हैं। मौजूदा समय में यूएसएस लिंकन पर करीब पांच हजार सैन्य कर्मी तैनात हैं, जिनमें सेना, नौसेना के कर्मी और हजारों मरीन हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हालात इतने खराब हैं कि कुछ सैनिक इस एयरक्राफ्ट कैरियर से समुद्र में कूदने की कोशिश तक कर चुके हैं, वहीं कुछ कर्मी आत्महत्या तक को लेकर चर्चाएं तक कर रहे हैं। इन स्थितियों की गंभीरता को देखते हुए अमेरिका अब जल्द क्षेत्र में नया विमानवाहक पोत तैनात करने की तैयारी कर रहा है, जिसके बाद यूएसएस लिंकन की वापसी संभव होगी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर अमेरिका और ईरान के बीच बीते कुछ महीनों से जारी संघर्ष का अब तक अमेरिकी सेना पर क्या और कितना असर पड़ा है? जिस यूएसएस अब्राहम लिंकन की स्थिति पर चिंता जताई जा रही है, उसमें हालात कैसे हैं? हालात इतने खराब कैसे हो गए और इसके लिए ईरानी हमले कैसे जिम्मेदार हैं? इसके अलावा पहले किस युद्धपोत में ऐसी ही स्थिति पैदा हो चुकी है? आइये जानते हैं... अमेरिका–ईरान युद्ध का दोनों देशों की सेनाओं पर कितना असर?

1. अमेरिका को नुकसान

28 फरवरी को अमेरिका की तरफ से ईरान के खिलाफ हमला बोला गया था। इस संघर्ष को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया गया। हालांकि, शुरुआती नुकसानों के बाद अमेरिका के हमले का ईरान ने भी मुहंतोड़ जवाब दिया और पश्चिम एशिया में उसके ठिकानों को अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स से भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी सेना के जिन सैनिकों की मौत हुई, उनमें जुलाई में जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयर बेस पर हुए हमलों में मारे गए फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर जेम्स फीहान, प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस, सार्जेंट एंजेल एस. रामप्रसाद और इराक में एक ड्रोन के नियंत्रित विस्फोट के दौरान मारे गए सार्जेंट माइकल इमैनुएल स्विंटन शामिल हैं। इन सबसे इतर अमेरिका को सैन्य उपकरणों का भारी नुकसान हुआ है। उसके अरबों डॉलर की रक्षा प्रणालियां और ड्रोन्स और एयरक्राफ्ट्स इस युद्ध में तबाह हुए हैं। इसके अलावा युद्धपोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड और अब यूएसएस अब्राहम लिंकन में तैनात सैनिकों को भी इस युद्ध में दिक्कतें झेलनी पड़ी हैं।

2. ईरान को नुकसान

ईरानी सैन्य बलों को इस युद्ध में भीषण नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान की तरफ से अब तक अपने नुकसान का ब्योरा पेश नहीं किया गया है। हालांकि, अनुमान बताते हैं कि 1,800 से 7,650 ईरानी सैनिक मारे गए हैं। जहां ईरानी सरकारी मीडिया लगभग 1,800 शहीदों की बात स्वीकार करता है, वहीं इस्रइली सेना (आईडीएफ) और अन्य स्वतंत्र स्रोतों के अनुसार यह संख्या 6,000 से 7,650 के बीच हो सकती है। ईरानी सेना के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक झटका उसके शीर्ष नेतृत्व की मौत को जाना रहा है। इसमें सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई, आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ होसैन सलामी और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी जैसे प्रभावशली नाम शामिल हैं। इस बड़ी क्षति की वजह से ईरान को युद्ध के बीच में ही नए कमांडरों की नियुक्तियां करनी पड़ी हैं। दूसरी तरफ स्वतंत्र उपग्रह इमेजरी और सैन्य विश्लेषणों के मुताबिक, ईरान के रक्षा ढांचे को गहरा नुकसान पहुंचा है। यूएसएस लिंकन पर ऐसा क्या हुआ कि उसकी स्थिति पर चिंता जताई जा रही है? अमेरिका–ईरान युद्ध के बीच ताजा चिंता इस पर तैनात लगभग 5,000 अमेरिकी सैनिकों के हालात वर्तमान में बेहद गंभीर और दर्दनाक बने हुए हैं। ईरान युद्ध और समुद्री नाकेबंदी के कारण इस विमान वाहक पोत की तैनाती को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे जहाज पर जीवन नरक जैसा हो गया है। जहाज के सैनिक पिछले 250 से अधिक दिनों से लगातार बिना जमीन पर कदम रखे यानी बिना किसी पोर्ट-कॉल या छुट्टी के समुद्र में रहने को मजबूर हैं, जो आधुनिक समय में एक नया रिकॉर्ड है। नवंबर से शुरू हुई इस तैनाती को मई में खत्म होना था, लेकिन इसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया।

1. भोजन की कमी पैदा हुई

इन परिस्थितियों के बीच जहाज पर ताजे भोजन की भारी कमी हो गई है। सैनिकों को राशन किया हुआ भोजन दिया जा रहा हैय यहां तक कि उन्हें एक वक्त के भोजन में केवल आधा कप चावल और दो टॉर्टिला तक परोसे जा रहे हैं। भोजन की इस कमी के कारण एक सैनिक के रिश्तेदार ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य का वजन तैनाती के दौरान लगभग 29 किलोग्राम तक घट गया है। आम जरूरत की चीजें भी कम हुईं इतना ही नहीं जहाज पर साबुन, टूथपेस्ट और यहां तक कि टॉयलेट पेपर जैसी बुनियादी चीजों की भारी कमी है। लॉन्ड्री सिस्टम हफ्तों से बंद पड़े होने के कारण सैनिक कपड़े तक नहीं धो पा रहे हैं। जहाज के बाथरूमों में गंदा पानी और सीवेज भरा रहता है। फंगस लगे शॉवर, टूटे शौचालय और हफ्तों तक गर्म पानी न मिलने से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा युद्धपोत पर मेल सिस्टम ठप हो गया है, जिसकी वजह से परिवारों की तरफ से भेजे गए केयर पैकेज या तो महीनों लेट पहुंच रहे हैं या रास्ते में ही खो जा रहे हैं। लंबे समय में जहाज और सैनिक दोनों की सेहत पर असर जहाज के फ्लाइट डेक पर, जहां से पायलट उड़ान भरते हैं, कई जगह छेद हो गए हैं जो सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। दूसरी तरफ सैनिकों को दिन-रात जहाज के इंजन के शोर और विमानों के उड़ने के भारी कंपन के बीच काम करना पड़ रहा है। 16-16 घंटे की थकाऊ शिफ्ट के बाद भी उन्हें सोने या आराम करने का आराम और शांति का क्षण नहीं मिलता। ईरान युद्ध के चलते लगातार बढ़ाई जा रही अनिश्चित तैनाती और बुनियादी सुविधाओं के भारी अभाव ने सैनिकों को गंभीर मानसिक अवसाद और थकावट से भर दिया है। इस मानसिक तनाव के बीच कई सैनिकों ने जहाज से कूदकर जान देने की कोशिश की है। 3 अगस्त 2026 को एक अमेरिकी सैनिक सचमुच समुद्र में कूद गया था। उसे तुरंत सर्च एंड रेस्क्यू हेलीकॉप्टर की मदद से पानी से सुरक्षित निकाला गया, जहाज के चिकित्सा विभाग में उसका प्राथमिक इलाज किया गया और फिर आगे की देखभाल के लिए जहाज से बाहर भेज दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक और सैनिक ने भी लंबे समय तक समुद्र में रहने के बाद जहाज से कूदने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें मेडिकल होल्ड पर रख दिया गया है। सैनिक की पत्नी के मुताबिक, उनके पति इस बात से डरे हुए हैं कि मानसिक तनाव और थकावट के कारण उनके 13 साल के करियर को कहीं कोर्ट-मार्शल या डिसऑनरेबल डिस्चार्ज के साथ खत्म न कर दिया जाए। एक अन्य घटना में, ड्यूटी पर तैनात एक सजग सैनिक ने अपने एक साथी को कूदने के प्रयास के दौरान हवा में ही पकड़ लिया और अन्य सहकर्मियों की मदद से उसे सुरक्षित फ्लाइट डेक पर खींच लिया। एक सैनिक के रिश्तेदार ने साझा किया कि उन्हें व्हाट्सएप पर मैसेज मिला– ष्मैं बुरी तरह थक चुका हूं। दिन-रात जहाज के इंजन के शोर और विमानों के उड़ने के भीषण कंपन के कारण सोते, जागते या नहाते समय भी मन में कभी शांति का एक क्षण नहीं मिलता।ष एक अन्य सैनिक की पत्नी ने बताया कि उनके पति ने उन्हें संदेश भेजकर कहा था, ष्मैं उम्मीद करता हूं कि कल सुबह मेरी आंख ही न खुले। बहरीन के प्रमुख नौसैनिक अड्डे की तबाही युद्ध की शुरुआत में ही ईरानी मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोनों के भीषण हमलों ने बहरीन में स्थित अमेरिकी नौसेना के प्रमुख रसद और आपूर्ति केंद्र को पूरी तरह तबाह कर दिया था। यह अड्डा अमेरिकी नौसेना के लिए दशकों से खाड़ी क्षेत्र में रसद आपूर्ति और सैनिकों के आराम का सबसे बड़ा लाइफलाइन हब था। इस हब के नष्ट होते ही पूरी आपूर्ति व्यवस्था बिखर गई। 2200 मील दूर हिंद महासागर में आपूर्ति केंद्र का खिसकना

बहरीन के नष्ट होने के बाद, अमेरिकी सेना को मजबूरन अपनी पूरी लॉजिस्टिक्स चेन खाड़ी से 2200 मील दूर हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया द्वीप पर ट्रांसफर करनी पड़ी। इतनी भारी भौगोलिक दूरी की वजह से यूएसएस अब्राहम लिंकन तक समय पर ताजी सब्जियां, राशन, दवाएं, स्वच्छता उत्पाद और सैनिकों-कर्मियों के घर से भेजे गए पार्सल पहुंचाना बेहद मुश्किल, धीमा और अनिश्चित हो गया है। सामान्य परिस्थितियों में तैनाती के दौरान सैनिक हर कुछ हफ्तों में बहरीन या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई के फुजैराह जैसे मित्र बंदरगाहों पर कुछ दिन आराम के लिए जमीन पर उतरते हैं। लेकिन ये बंदरगाह अब ईरानी मिसाइलों की सीधी मारक सीमा में हैं। हमलों के जबरदस्त खतरे की वजह से अमेरिकी कमांडरों के पास इन विशालकाय और महंगे विमान वाहक पोतों को बंदरगाह पर लाने की गुंजाइश नहीं है, जिसकी वजह से सैनिकों को लगातार समुद्र में ही कैद रहना पड़ रहा है।

युद्ध में लगातार काम करते रहने का दबाव ईरानी सेना की तरफ से लगातार दागे जा रहे सैकड़ों मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोनों को हवा में ही मार गिराने और ईरान की समुद्री नाकेबंदी को लागू रखने के लिए जहाज को लगातार युद्धक मोड में रहना पड़ रहा है। चालक दल ने अब तक लगभग 10,000 लड़ाकू उड़ानें संचालित की हैं जिसने उन्हें चौबीसों घंटे बिना रुके काम करने और भारी मानसिक तनाव झेलने पर मजबूर किया है।

US ने एशिया से क्यों हटाया अपना आखिरी विमानवाहक पोत?: चीन उठा सकता है फायदा, विशेषज्ञों ने किया बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर का पश्चिम एशिया का 10 दिन का दौरा शनिवार को पूरा हो गया। इस दौरान उन्होंने छह देशों में वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों से भी बातचीत की। उनका यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के खिलाफ युद्ध अमेरिकी विमानवाहक पोतों की क्षमता पर दबाव बढ़ा रहा है। वहीं, चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के प्रमुख युद्धपोतों में से एक की मौजूदगी भी खत्म हो रही है। यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन प्रशांत क्षेत्र से रवाना हो रहा है। इसके मध्य पूर्व में यूएसएस अब्राहम लिंकन की जगह लेने की उम्मीद है। लंबे समय से समुद्र में तैनात लिंकन पर मानसिक स्वास्थ्य और आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं बढ़ रही हैं। ईरान के खिलाफ अभियानों में सहयोग के लिए लिंकन की समुद्र में तैनाती को मई में वापस लौटने की मूल समयसीमा से आगे बढ़ाया गया है। ईरान संघर्ष ने कैसे बनाया अमेरिका पर दबाव? प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी विमानवाहक पोत की यह कमी कुछ समय के लिए ही रह सकती है। अगर नौसेना अगले कुछ महीनों में एक और विमानवाहक पोत तैनात करती है तो स्थिति बदल सकती है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि इससे पता चलता है कि ईरान के साथ जारी अभियानों से अमेरिकी नौसैनिकों पर कितना दबाव पड़ रहा है। साथ ही ट्रंप प्रशासन एशिया-प्रशांत क्षेत्र से और पीछे हटकर पश्चिमी गोलार्ध पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के दक्षिण-पूर्व एशिया कार्यक्रम के निदेशक ग्रेग पोलिंग ने कहा, श्प्रशासन कहता है कि पश्चिमी गोलार्ध के बाद प्रशांत क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।ष उन्होंने कहा कि इसके बजाय अमेरिका मध्य पूर्व से पीछे हटने के अपने पहले के लक्ष्य के षबिल्कुल विपरीतष कर रहा है। पोलिंग ने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी रिपब्लिकन प्रशासन की अनिश्चितता को लेकर चिंतित हैं, जबकि बीजिंग श्अमेरिका के ध्यान भटकने और उसके सहयोगियों तथा साझेदारों की निराशा से काफी खुश है। चीन उठा सकता है अमेरिकी विमानवाहक पोत की गैरमौजूदगी का फायदा बीजिंग क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को चीन के बढ़ते प्रभाव के लिए खतरा और ताइवान पर कब्जे की उसकी महत्वाकांक्षा में बाधा मानता है। चीन स्वशासित ताइवान पर अपना दावा करता है। वहीं, अमेरिका का कहना है कि प्रशांत क्षेत्र आर्थिक रूप से इतना महत्वपूर्ण है कि उसे खोया नहीं जा सकता। हडसन इंस्टीट्यूट के रक्षा विश्लेषक और पूर्व नौसेना पनडुब्बी अधिकारी ब्रायन क्लार्क ने कहा कि किसी अमेरिकी विमानवाहक पोत के क्षेत्र छोड़ने के कारण किसी को चीन के ताइवान पर हमला करने की उम्मीद नहीं है। लेकिन इसकी गैरमौजूदगी चीन को अपनी ताकत दिखाने का एक और मौका देती है। क्या पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका नहीं रहा सबसे बड़ी ताकत? क्लार्क ने कहा, ष्ये इसका इस्तेमाल फिलीपींस, जापान, इंडोनेशिया और अन्य देशों को यह दिखाने की कोशिश के तौर पर कर रहे हैं कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका अब सबसे बड़ी ताकत नहीं है। वे चाहेंगे कि क्षेत्र के देश यह मान लें कि चीन बड़ी ताकत है और अमेरिका अब उनकी सुरक्षा की गारंटी देने में सक्षम नहीं है। चीन ने इस सप्ताह इंडोनेशिया के साथ नौसैनिक अभ्यास किया है। हाल में उसने जापान और फिलीपींस के प्रति भी आक्रामक रुख के संकेत दिए हैं। दोनों ही अमेरिका के प्रमुख सहयोगी हैं और बीजिंग के साथ उनके क्षेत्रीय विवाद हैं। चीन ने इस महीने दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल के पास सैन्य अभ्यास किया। इस क्षेत्र पर चीन और फिलीपींस दोनों अपना दावा करते हैं। पिछले महीने चीन के एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक ने जापान के सबसे दक्षिणी द्वीप ओकिनोटोरी के पास लाइव-फायर अभ्यास किया था। विशेषज्ञों ने किया बड़ा दावा अमेरिकी विशेष अभियान कमान के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक ब्रैडली क्षेत्रीय सहयोगियों को वॉशिंगटन की प्रतिबद्धता को लेकर भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को मनीला में फिलीपींस के अधिकारियों से मुलाकात की और कहा कि दोनों देशों के गठबंधन को मजबूत करने के लिए अमेरिकी विशेष अभियान बल संयुक्त अभ्यास बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उनके जापान जाने की भी उम्मीद है। चीन पर अमेरिकी नीति पर ध्यान देने वाले काटो इंस्टीट्यूट के नीति विश्लेषक इवान सैंकी ने कहा कि विमानवाहक पोत अमेरिका के सहयोगियों को मनोवैज्ञानिक भरोसा देते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में इन पोतों की गैरमौजूदगी ष्इस सामान्य भावना को बढ़ाती है कि अमेरिका मध्य पूर्व की घटनाओं से विचलित है।ष क्यों बढ़ा अमेरिकी विमानवाहक पोतों पर दबाव? हडसन इंस्टीट्यूट के क्लार्क ने कहा कि अमेरिकी विमानवाहक पोतों पर दबाव ईरान युद्ध के लिए पर्याप्त तैयारी और योजना की कमी के कारण है। उन्होंने कहा, ष्अगर हम इस तरह के संघर्ष के लिए जुटने वाले थे और हमें अंदाजा था कि यह इतना लंबा चल सकता है, तो हम विमानवाहक पोतों के कार्यक्रम में बदलाव कर सकते थे, ताकि अधिक पोत उपलब्ध रहते। क्लार्क के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के पास 11 विमानवाहक पोत हैं ।

ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीर: चेहरे पर नहीं दिखी मुस्कान, फिर क्यों बोले- हम बहुत अच्छे से मिलते हैं?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इन तस्वीरों में दोनों के चेहरे गंभीर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर ट्रंप ने मजाक किया। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन और उनके बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस खास तस्वीर में भले ही हमारे चेहरे दोस्ताना नहीं दिख रहे हैं। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे हैं। किम जोंग उन और मैं बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एआई से बनाई हुई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों के हाथों में कलम दिख रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों घोड़े पर नजर आ रहे हैं। अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास की आलोचना कर रहा उत्तर कोरिया ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया, जब उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले आगामी सैन्य अभ्यासों की आलोचना कर रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि इन सैन्य अभ्यासों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास श्उलची फ्रीडम शील्डश 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। सैन्य अभ्यास में क्या शामिल है? इन सैन्य अभ्यासों में ड्रोन से निपटने, जीपीएस में रुकावट पैदा होने की स्थिति से निपटने और साइबर हमलों का सामना करने का प्रशिक्षण शामिल होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।